▸▸ वर्ष : 35 ▸▸ अंक : 27 ▸▸ मुंबई, शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026 ▸▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸ मूल्य : 3 रुपए ▸▸ epaper.dobajedopahar.com ▸▸ संपादक : अरुण लाल ▸▸ संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

लेबनान का मुद्दा गरमाया, ब्रिटेन बोला सीजफायर का हिस्सा हो

अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम की घोषणा के बीच लेबनान का मुद्दा तेजी से अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बन गया है। कई देशों ने इस सीजफायर में लेबनान को भी शामिल करने की मांग उठाई है, क्योंकि वहां हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। इजरायल के लगातार हमलों के चलते बड़ी संख्या में लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं, जिससे मानवीय संकट गहराता जा रहा है। ब्रिटेन की विदेश सचिव यवेट कूपर ने स्काई न्यूज से बातचीत में कहा कि लेबनान में इजरायल की ओर से बढ़ते हमले बेहद परेशान करने वाले हैं और इन्हें सही नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा कि इन हमलों से आम नागरिकों की जिंदगी बुरी तरह प्रभावित हो रही है और क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ रही है। ब्रिटेन समेत कई यूरोपीय देशों ने इजरायल से लेबनान पर हमले रोकने और ईरान से होर्मुज स्ट्रेट को व्यावसायिक जहाजों के लिए फिर से खोलने की अपील की है।

संघर्षविराम के बीच

तबाही का मंजर

200 से ज्यादा लोगों की मौत

एजेंसी । तेल अवीव

अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता से दो हफ्ते का सीजफायर घोषित हुए सिर्फ एक दिन बीता था कि इजरायल ने लेबनान पर भारी हमले शुरू कर दिए. तेल अवीव ने सिर्फ 10 मिनट में 160 बम गिराए, जिसमें कम से कम 203 लोग मारे गए और 1000 से ज्यादा घायल हुए। कई जगहों पर मास कैजुअल्टी की स्थिति बन गई। लेबनान सरकार ने गुरुवार को पूरे देश में शोक दिवस घोषित कर दिया। इजरायली सेना ने साफ कहा कि यह सीजफायर केवल ईरान तक सीमित है। लेबनान और बेरूत इसमें शामिल नहीं हैं। इसलिए हिज्बुल्लाह के ठिकानों पर हमले जारी रखे जा रहे हैं।

इजरायल ने लेबनान पर 10 मिनट में 160 बम गिराए

हिज्बुल्लाह प्रमुख नईम कासिम के भतीजे की मौत

लेबनान में इजरायली सेना की ओर से किए गए हमले में हिज्बुल्लाह प्रमुख नई कासिम के भतीजे अली यूसुफ हर्षी की मौत हो गई है। वह कासिम का निजी सचिव भी था। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने गुरुवार को बताया कि बुधवार की रात बेरूत में किए गए हवाई हमले में हिज्बुल्लाह के महासचिव नईम कासिम के भतीजे और निजी सचिव को मार गिराया।

बातचीत करने को तैयार

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने लेबनान के साथ जितनी जल्दी हो सके सीधी बातचीत की मंजूरी दे दी है। नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने यह आदेश लेबनान के अनुरोधों के जवाब में दिया है और बातचीत का मुख्य मुद्दा हिज्बुल्लाह को निशस्त्र करना और पड़ोसी देशों के बीच शांतिपूर्ण संबंध स्थापित करना होगा।उन्होंने लेबनान के प्रधानमंत्री की बेरूत को सैन्य-मुक्त करने की अपील का स्वागत किया। लेबनान की ओर से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

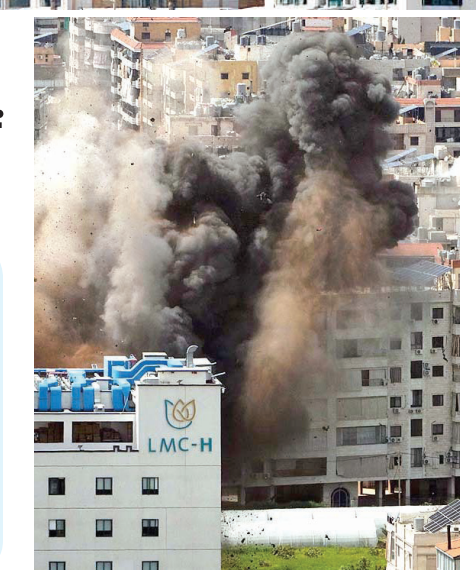

हमारी उंगलियां ट्रिगर पर ही रहेंगी : ईरान

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने गुरुवार को लेबनान में इजरायल के हमलों की कड़ी निंदा की। एक्स पर पोस्ट में उन्होंने कहा कि इजरायल द्वारा लेबनान के खिलाफ हमले सीजफयर ढांचे का गंभीर उल्लंघन है, जिससे बातचीत बेमानी हो जाती है। हमारी उंगलियां ट्रिगर पर ही रहेंगी। ईरान अपने लेबनानी भाइयों और बहनों को कभी नहीं छोड़ेगा।राष्ट्रपति ने कहा कि पश्चिम एशिया में दुश्मनी रोकने के लिए दो हफ्ते का युद्धविराम समझौता लागू होने के बावजूद इजरायल ने हमले जारी रखे हैं। ऐसे काम समझौते का उल्लंघन करते हैं और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा हैं।

ईवीएम में कैद हुई किसमत

एजेंसी । गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी

विधानसभा चुनाव 2026 के महत्वपूर्ण चरण के तहत गुरुवार को असम, केरलम और पुडुचेरी में रिकॉर्ड मतदान दर्ज किया गया। असम में जहां ऐतिहासिक वोटिंग हुई, वहीं केरलम और पुडुचेरी में भी मतदाताओं ने भारी उत्साह दिखाया। हालांकि, कुछ छिटपुट हिंसा की घटनाओं ने चुनावी प्रक्रिया में खलल डालने की कोशिश की।

- असम के इतिहास में सबसे ज्यादा 85 .38% वोटिंग
- पुडुचेरी में 90% मतदान, केरलम में 49 साल में दूसरी रिकॉर्ड वोटिंग

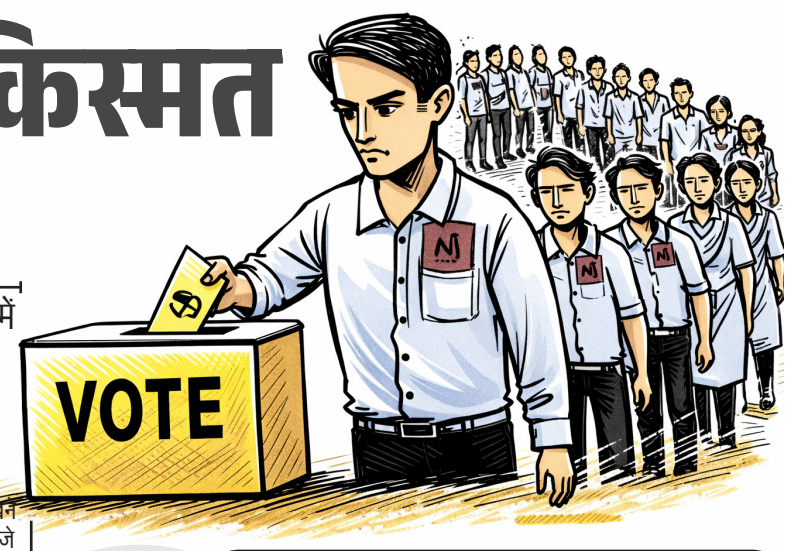

केरलम में 49 वर्षों का रिकॉर्ड टूटने के करीब

केरलम की 140 सीटों पर 2 .71 करोड़ मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। राज्य में 78 .01% मतदान हुआ, जो पिछले 49 सालों में दूसरी सबसे बड़ी वोटिंग है। इससे पहले 1977 में 79 .2% का रिकॉर्ड बना था। पूर्व रक्षा मंत्री ए .के . एंटनी ने तिरुवनंतपुरम में मतदान किया। केरलम के सीएम पिनाराई विजयन ने कन्नूर में आरसी अमला बेसिक अपर प्राइमरी स्कूल में वोट डाला। केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद सुरेश गोपी ने त्रिशूर में मतदान किया।

असम में रचा गया नया इतिहास

असम की 126 सीटों पर इस बार ऐतिहासिक मतदान देखने को मिला। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, रात 8 बजे तक राज्य में 85 .38% वोटिंग दर्ज की गई, जो असम के चुनावी इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने गुवाहाटी में मां कामाख्या के दर्शन के बाद जालुकबाड़ी में अपना वोट डाला।

उम्मीदवारों की फौज और चुनावी बिसात

असम में 126 सीटों के लिए 41 पार्टियों के 722 उम्मीदवार मैदान में हैं। केरलम में 140 सीटों पर 890 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला मतदाताओं ने किया। पुडुचेरी में 30 सीटों के लिए वोटिंग हुई।

पुडुचेरी में उत्साह और बाइक से पहुँचे सीएम

पुडुचेरी की 30 सीटों पर मतदाताओं ने जबरदस्त उत्साह दिखाया और यहाँ 89 .81% मतदान दर्ज किया गया। एक दिलचस्प नज़ारे में, मुख्यमंत्री रंगास्वामी खुद बाइक चलाकर पोलिंग बूथ तक वोट डालने पहुँचे, जिसकी सोशल मीडिया पर काफी चर्चा रही।

चुनावी हिंसा

भारी मतदान के बीच असम और पुडुचेरी से हिंसा की खबरें भी आईं। असम के श्रीभूमि जिले के पथारकंडी में भाजपा और कांग्रेस समर्थकों के बीच खूनी झड़प हुई, जिसमें 25 लोग घायल हुए और 2 की हालत गंभीर है। पुलिस ने अब तक 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुडुचेरी के मन्नादिपेट पोलिंग बूथ पर भी दोनों दलों के समर्थक आपस में भिड़ गए, जिसके बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा।

आईटी कंपनी में धर्म परिवर्तन का खेल

- 8 महिला कर्मचारियों ने दर्ज कराई शिकायत, 6 गिरफ्तार
- धर्म परिवर्तन मामले की छानबीन एसआईटी करेगी : फडणवीस

डीबीडी संवाददाता । नासिक/मुंबई

महाराष्ट्र के नासिक में एक मल्टीनेशनल आईटी कंपनी के भीतर महिलाओं के साथ छेड़छाड़, यौन उत्पीड़न और जबरन धर्म परिवर्तन के सनसनीखेज मामले ने राज्य में हड़कंप मचा दिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मामले में कठोर कार्रवाई का आश्वासन देते हुए विशेष जांच दल के गठन की घोषणा की है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्पष्ट किया है कि नासिक के इस गंभीर मामले की जांच के लिए सहायक पुलिस आयुक्त संदीप मिटके की अध्यक्षता में एक विशेष जांच दल (SIT) गठित किया गया है। उन्होंने कहा कि जांच सही दिशा में चल रही है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

उत्पीड़न और छेड़छाड़ के 9 मामले दर्ज

नासिक के पुलिस अधीक्षक (SP) संदीप कर्णिक के अनुसार, एक प्रतिष्ठित आईटी कंपनी की महिला कर्मचारियों ने अपनी आपबीती सुनाई है। देवलाली और मुंबई नाका पुलिस स्टेशनों में छेड़छाड़ के 8 मामले और एक महिला कर्मचारी के साथ यौन उत्पीड़न व जबरन धर्म परिवर्तन का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी साल 2022 से ही पीड़ित महिलाओं को निशाना बना रहे थे। ऑफिस में काम के दौरान आरोपी न केवल बदतमीजी करते थे, बल्कि हिंदू धर्म के खिलाफ बातें कर उन्हें उकसाते थे। एक ने आरोप लगाया है कि उसका जबरन धर्म परिवर्तन कराया गया और फिर उसका यौन शोषण किया गया। पुलिस ने अब तक इस मामले में 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके नाम दानिश शेख, तौसीफ अत्तर, निदा खान, रजा मेमन, शाहरुख कुरैशी और शफी शेख हैं।

ब्रीफ न्यूज़

मुंबई मनपा का 80,952 करोड़ का बजट महासभा में पेश

मुंबई। बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC) के वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 80,952 करोड़ के विशाल बजट को स्थायी समिति की मंजूरी के बाद गुरुवार को महासभा के पटल पर रखा गया। स्थायी समिति के अध्यक्ष प्रभाकर शिंदे ने सदन में मुख्य बजट, शिक्षा बजट और जलापूर्ति विभाग का बजट पेश किया। चुनाव के कारण इस वर्ष बजट प्रक्रिया में देरी हुई है; सामान्यत: 1 अप्रैल से लागू होने वाला यह बजट इस बार 1 मई से प्रभावी होगा। महासभा में 15 अप्रैल से बजट पर चर्चा शुरू होगी और 30 अप्रैल तक इसे अंतिम मंजूरी मिलने की उम्मीद है। बजट भाषण के दौरान प्रभाकर शिंदे ने प्रशासन को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि राज्य सरकार के विभिन्न कार्यालयों पर बकाया 10,948 .58 करोड़ की राशि की वसूली के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।

मुंबई एयरपोर्ट टर्मिनल में लगी आग

मुंबई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 1 पर गुरुवार शाम आग लग गई, हालांकि इस पर कुछ ही देर में काबू पा लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हवाई अड्डे पर उड़ानों का परिचालन अप्रभावित रहा और कोई हताहत नहीं हुआ। हवाई अड्डे के प्रवक्ता ने बताया कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी, जिसकी सूचना शाम 6:10 बजे मिली। उन्होंने बताया आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों ने कुछ ही मिनट में आग पर काबू पा लिया।

फिजूलखर्ची पर हंगामा

बीएमसी स्कूलों में बच्चों के पास बेंच नहीं, अधिकारियों के लिए 58 हजार का टेबल | 430 टेबल-कुर्सियों पर 79 लाख खर्च का प्रस्ताव मंजूर | मनसे, भाजपा और कांग्रेस ने उठाए फिजूलखर्ची पर सवाल

धीरज सिंह । मुंबई

बृहन्मुंबई महानगरपालिका के शिक्षा विभाग में अधिकारियों के लिए आलीशान फर्नीचर की खरीद को लेकर राजनीतिक घमासान मच गया है। जहाँ स्कूलों की जर्जर हालत और बुनियादी सुविधाओं का अभाव चर्चा में है, वहीं अधिकारियों के लिए लाखों रुपये की महंगी कुर्सियां और टेबल खरीदने के प्रस्ताव ने स्टैंडिंग कमेटी में भारी नाराजगी पैदा कर दी है। बीएमसी शिक्षा विभाग ने उप शिक्षा अधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों और क्लर्कों के लिए कुल 430 नग फर्नीचर खरीदने का प्रस्ताव रखा है। इसमें एक टेबल की कीमत 58,450 और एक घूमने वाली कुर्सी की कीमत 15,490 बताई गई है। विपक्ष का आरोप है कि यह जनता के पैसे की खुली बर्बादी है।

जेम पोर्टल की अनदेखी पर सवाल

भाजपा नगरसेविका शीतल गंभीर और कांग्रेस पार्षद अशरफ आजमी ने एक बड़ा तकनीकी सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि जब बीएमसी 300 करोड़ की अन्य स्कूली वस्तुएं सरकारी 'जेम पोर्टल' से खरीद सकती है, तो फर्नीचर के लिए अलग से कॉन्ट्रैक्ट क्यों निकाला गया? क्या इसमें किसी खास ठेकेदार को फायदा पहुँचाने की कोशिश की जा रही है?

स्कूलों की दयनीय स्थिति का हवाला

मनसे के गुटनेता यशवंत किल्लेदार ने स्कूलों की कड़वी सच्चाई बयां करते हुए कहा कि स्कूलों में शौचालय गंदे हैं, जिससे बच्चों को इन्फेक्शन हो रहा है। कुर्ला के विनोबा भावे स्कूल जैसे कई स्कूल अंदर से जर्जर हैं। उन्होंने सवाल किया कि प्राथमिकता बच्चों और शिक्षकों को सुविधा देने की होनी चाहिए या अधिकारियों को लग्जरी ऑफिस देने की?

मार्केट सर्वे और पुराने फर्नीचर का हिसाब

भाजपा की अंजलि नायक और AIMIM के जमीर कुरैशी ने पूछा कि क्या इस खरीद से पहले मार्केट सर्वे किया गया था? क्या पुराने फर्नीचर का मूल्यांकन हुआ और उनके निपटान की क्या योजना है? उन्होंने मांग की कि इस मूल्य की तुलना पिछली खरीद दरों से की जानी चाहिए थी, जिसे स्टैंडिंग कमेटी के सामने नहीं रखा गया।

मुंबई भाजपा महिला मोर्चा के पदाधिकारियों लिस्ट जारी

मुंबई। भाजपा ने मुंबई महिला मोर्चा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की नई सूची जारी कर संगठनात्मक ढांचे को और मजबूत करने का संकेत दिया है। मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम और महिला मोर्चा अध्यक्ष योजना ठाकले ने गुरुवार को इस सूची की औपचारिक घोषणा की। माना जा रहा है कि आगामी चुनावों और संगठन विस्तार को ध्यान में रखते हुए यह बदलाव किया गया है। इससे पहले पार्टी द्वारा मुंबई भाजपा और युवा मोर्चा के पदाधिकारियों की सूची भी जारी की जा चुकी थी, जिसके बाद अब महिला मोर्चा की नई टीम सामने आई है। फरवरी में अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभालने वाली योजना ठाकले के नेतृत्व में तैयार इस सूची में कमला पुरोहित, ज्योति दुराफे, स्वर्णिका बाली, अनघा जंगे, स्वर्णलक्ष्मी बाला तेवर, उंबरसाडे और रंजना राणे दास को अहम जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इसके अलावा रंजू झा को उपाध्यक्ष बनाया गया है, जबकि अंकिता सावे चौधरी, दक्षा पटेल, सारिका पवार और राजवी नाईक को भी संगठन में शामिल किया गया है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, इन नियुक्तियों के जरिए जमीनी स्तर पर महिला मोर्चा को सक्रिय करने और अधिक से अधिक महिलाओं को संगठन से जोड़ने पर जोर दिया जाएगा।

ऑल इज वेल

- कांग्रेस ने सुनेत्रा पवार के लिए छोड़ दी बारामती सीट
- महाराष्ट्र की परंपरा का दिया हवाला
- 23 निर्दलीयों को मनाने में जुटी एनसीपी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बारामती विधानसभा उपचुनाव में एक बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को मिला है। महाराष्ट्र कांग्रेस ने 'महाराष्ट्र की गौरवशाली राजनीतिक संस्कृति' और दिवंगत नेता अजित पवार के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए अपने उम्मीदवार आकाश मोरे का नामांकन वापस लेने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है।

रोहित ने पार्थ के पुराने बयान पर मांगी माफी

सांसद सुप्रिया सुले ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि उनके परिवार और कांग्रेस का रिश्ता दशकों पुराना है। वहीं, जय पवार ने भी कांग्रेस का आभार जताते हुए कहा कि उनके पिता ने हमेशा दलगत राजनीति से ऊपर उठकर काम किया है, इसलिए निर्विरोध चुनाव ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल, जिन्होंने पहले चुनाव आयोग पर भाजपा की 'बी-टीम' होने का आरोप लगाया था।

वर्षा से लेकर दिल्ली तक की बैठकों का असर

शुरुआत में कड़ा रुख अपनाने वाली कांग्रेस का हृदय परिवर्तन कई दौर की बैठकों के बाद हुआ। एनसीपी नेता सुनेत्रा पवार ने खुद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की थी। साथ ही, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, छगन भुजबल और धनंजय मुंडे जैसे दिग्गजों ने कांग्रेस से अपील की थी कि अजित पवार जैसे कद्दावर नेता के निधन के बाद इस उपचुनाव को निर्विरोध कर राज्य की राजनीतिक परंपरा का सम्मान किया जाए।

रोहित पवार की माफी और कांग्रेस का सम्मान

इस पूरी प्रक्रिया में सबसे अहम मोड़ रोहित पवार की कांग्रेस नेतृत्व से मुलाकात रही। उन्होंने पार्थ पवार के उस पुराने और अपरिपक्व बयान के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। इस माफीनामे ने कांग्रेस को एक 'सम्मानजनक निकास' का मौका दिया और पार्टी अब एक 'हारे हुए दल' के बजाय एक 'बड़े भाई' के तौर पर उभरी है।

रिपोर्ट एयरलाइंस के लिए मुश्किल रहा बीता वित्तीय वर्ष

हवाई दुर्घटनाओं में लगभग 290 लोगों की जान

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भारत की दो सबसे बड़ी एयरलाइंस एअर इंडिया और इंडिगो के लिए बीता वित्तीय वर्ष कई मायनों में चुनौतीपूर्ण रहा। उड़ानों में देरी, तकनीकी खामियां, यात्रियों की बढ़ती शिकायतें और बढ़ता परिचालन खर्च, इन दोनों कंपनियों के लिए परेशानी का कारण बने। रिपोर्ट के मुताबिक, साल भर में कई ऐसे घटनाक्रम सामने आए, जिन्होंने एयरलाइंस की छवि पर असर डाला। कुछ मामलों में तकनीकी खराबी के चलते उड़ानों को रद्द करना पड़ा, जबकि कई फ्लाइट्स लंबी देरी का शिकार हुईं। इससे यात्रियों को भारी असुविधा झेलनी पड़ी और सोशल मीडिया पर नाराजगी भी देखने को मिली।

सुरक्षा और संचालन पर सवाल

कुछ घटनाओं ने सुरक्षा मानकों को लेकर भी सवाल खड़े किए। हालांकि, एयरलाइंस ने समय-समय पर इन मुद्दों को सुलझाने के लिए कदम उठाने का दावा किया, लेकिन लगातार सामने आ रही समस्याओं ने सिस्टम की कमियों को उजागर किया।

एयरलाइंस के लिए मुश्किल साल

वित्त वर्ष 26 में, भारत में हवाई दुर्घटनाओं में लगभग 290 लोगों की जान चली गई। इस वित्त वर्ष में यात्रियों की आवाजाही में भी धीमी वृद्धि देखने को मिली, और भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन में परिचालन संबंधी अभूतपूर्व संकट भी सामने आया। अब अगला वित्त वर्ष कैसा रहेगा, जबकि पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष अभी भी जारी है और इसके चलते ईंधन की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं।

बढ़ती लागत और वित्तीय दबाव

ईंधन की कीमतों में उतार-चढ़ाव और वैश्विक परिस्थितियों के कारण ऑपरेशन लागत में इजाफा हुआ। इसके अलावा, विमान रखरखाव और स्टाफिंग से जुड़े खर्चों ने भी कंपनियों के मुनाफे पर असर डाला। इंडिगो, जो अपनी समयबद्ध सेवा के लिए जानी जाती है, उसे भी इस बार संचालन से जुड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वहीं, टाटा समूह के अधिग्रहण के बाद एयर इंडिया अपने पुनर्गठन के दौर से गुजर रही

सपा विधायक रईस शेख को 'कारण बताओ नोटिस'

कांग्रेस के लिए प्रचार करने का आरोप

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी की राजनीति में उस वक्त हलचल मच गई जब समाजवादी पार्टी (सपा) ने अपने ही विधायक रईस शेख को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में शो-कॉज नोटिस (कारण बताओ नोटिस) जारी कर दिया। यह कार्रवाई भिवंडी मनपा चुनाव 2026 के दौरान कथित तौर पर कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में प्रचार करने के आरोपों के बाद की गई है। सपा के भिवंडी शहर जिला अध्यक्ष अनस अंसारी द्वारा जारी इस नोटिस में विधायक रईस शेख पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। नोटिस के मुताबिक, शेख ने न केवल पार्टी के आधिकारिक निर्देशों की अवहेलना की, बल्कि सार्वजनिक रूप से पार्टी और नेतृत्व के खिलाफ बयानबाजी भी की, जिससे संगठन की छवि और एकता को नुकसान पहुंचा।

क्या हैं मुख्य आरोप?

कांग्रेस उम्मीदवार के पक्ष में खुलकर प्रचार और कैंपेनिंग। पार्टी की आधिकारिक रणनीति के खिलाफ जाकर विपरीत गतिविधियां। कार्यकर्ताओं में भ्रम फैलाने और संगठनात्मक अनुशासन तोड़ने का आरोप। सोशल मीडिया, वीडियो और तस्वीरों में कांग्रेस कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी के सबूत। पार्टी सूत्रों के अनुसार, इस मामले में जिला स्तर से लेकर प्रदेश नेतृत्व तक कई शिकायतें पहुंची थीं। इन शिकायतों के साथ वीडियो क्लिप, फोटो और सोशल मीडिया पोस्ट को प्राथमिक साक्ष्य माना गया है।

14 दिन में जवाब नहीं तो बड़ी कार्रवाई

नोटिस में साफ कहा गया है कि रईस शेख को 14 दिनों के भीतर लिखित जवाब देना होगा, वरना पार्टी उनके खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई कर सकती है। इसमें निलंबन, निष्कासन या अन्य कानूनी कदम भी शामिल हो सकते हैं।

प्रदेश अध्यक्ष का निर्देश

इस कार्रवाई से पहले सपा के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आजमी ने भी पत्र जारी कर पूरे मामले की जांच और नोटिस जारी करने के निर्देश दिए थे। डिसिप्लिनरी कमेटी के फैसले के बाद यह नोटिस औपचारिक रूप से भेजा गया।

स्थायी समिति की बैठक में विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी

डीबीडी संवाददाता । पनवेल

पनवेल महानगरपालिका की स्थायी समिति की बैठक आद्य क्रांतीवीर वासुदेव बलवंत फडके नाट्यगृह में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता स्थायी समिति सभापति बबन मुकादम ने की, जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में शहर के सार्वजनिक स्थानों पर रंगरंगोटी और ग्राफिटी के कार्य को मंजूरी दी गई। साथ ही सभापति ने निर्देश दिया कि संबंधित ठेकेदार को भुगतान करते समय 20 प्रतिशत राशि की कटौती की जाए।

बुनियादी सुविधाओं और अतिक्रमण हटाने पर जोर

करवले गांव में शेष बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के कार्य को मंजूरी दी गई। साथ ही अतिक्रमण और अवैध निर्माण हटाने के लिए 111 अतिरिक्त कर्मचारियों की नियुक्ति के प्रस्ताव को भी हरी झंडी दी गई। नवीन पनवेल (पूर्व) के सेक्टर-16 में खराब फुटपाथों की मरम्मत को मंजूरी दी गई। वहीं खारघर सेक्टर-14 में पशुओं के अंतिम संस्कार के लिए श्मशान भूमि विकसित करने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी गई। तलोजा सेक्टर-07 में पनवेल महानगरपालिका स्कूल के निर्माण के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई, जिससे क्षेत्र में शिक्षा सुविधाओं को मजबूती मिलेगी।

आईटी उपकरणों के रखरखाव को स्वीकृति

महानगरपालिका के कंप्यूटर, नेटवर्क और अन्य आईटी उपकरणों के रखरखाव व मरम्मत से जुड़े प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान की गई, जिससे प्रशासनिक कार्यों में सुगमता आएगी। विभिन्न विभागों द्वारा किराये पर ली गई संपत्तियों के लीज नवीनीकरण पर चर्चा हुई। कुल सात में से चार आवश्यक स्थानों को लीज विस्तार देने का निर्णय लिया गया। प्रभाग समिति 'अ' के अंतर्गत कोयनावेळे और घोट गांवों को जोड़ने के लिए तळोजा नदी पर पुल निर्माण को मंजूरी दी गई। इसके अलावा करंजाडे क्षेत्र में गाढी नदी पर नए पुल के निर्माण प्रस्ताव को भी स्वीकृति मिली।

अवैध कनेक्शन लेने पर प्लंबर के खिलाफ मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका ने पानी चोरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक प्लंबर के खिलाफ केस दर्ज किया है। यह मामला निजामपुरा के आमपाडा क्षेत्र स्थित 12 चाळी मारवा कॉम्प्लेक्स के पास निरीक्षण के दौरान सामने आया। जांच में सामने आया कि आरोपी प्लंबर मोहम्मद इस्लाम ईशा शाह उर्फ गुड्डू ने बिना किसी अनुमति के महानगरपालिका की जलवाहिनी में छेद कर आधे इंच के चार अवैध पानी कनेक्शन ले रखे थे।

महानगरपालिका को 34,800 रुपये का नुकसान

इस अवैध कृत्य के कारण महानगरपालिका को कुल 34,800 रुपये का नुकसान हुआ है। इसमें पानी चोरी, खुदाई शुल्क, अनामत राशि और अतिरिक्त उपयोग का आकलन शामिल है। इस संबंध में शांतिनगर पुलिस स्टेशन में एफआईआर नंबर 0275 (दिनांक 8 अप्रैल 2026) के तहत भारतीय न्याय संहिता 2023 की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आगे की जांच शुरू कर दी है। यह कार्रवाई महानगरपालिका आयुक्त और अतिरिक्त आयुक्त के आदेश पर कार्यकारी अभियंता संदीप पटणावर के मार्गदर्शन में की गई। उप अभियंता सरफराज अंसारी के नेतृत्व में टीम ने मौके पर जांच कर कार्रवाई को अंजाम दिया।

गोदाम से लाखों का माल साफ, दर्जी की दुकान में भी चोरी

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

दापोडा और पारनाका क्षेत्रों में हुई दो अलग-अलग वारदातों में लाखों रुपये का माल चोरी हो गया। दोनों मामलों में पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दूसरी घटना: दर्जी की दुकान से कर्मचारी पर चोरी का आरोप

दूसरी घटना पारनाका मंडई क्षेत्र की है, जहां एक दर्जी की दुकान से करीब 1.70 लाख रुपये का माल चोरी हो गया। दुकान मालिक संजय प्रकाश चाडने ने अपने ही कर्मचारी पर चोरी का आरोप लगाया है। शिकायत के अनुसार, आरोपी कर्मचारी मो. नसीम 7 अप्रैल की रात से 8 अप्रैल की सुबह के बीच दुकान से 50 लेडीज ब्लाउज, नकदी और वीवो मोबाइल फोन लेकर फरार हो गया। इस मामले में भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में गुन्हा रजि. क्र. 221/2026 के तहत केस दर्ज किया गया है। मामले की जांच अधिकारी जयश्री अनपणे कर रही हैं। पुलिस आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है और जल्द गिरफ्तारी का दावा कर रही है।

पहली घटना : गोदाम में सेंधमारी, खिड़की तोड़कर चोरी

दापोडा स्थित जे-15, सिद्धीनाथ कॉम्प्लेक्स के एक गोदाम में अज्ञात चोरों ने खिड़की की ग्रिल तोड़कर अंदर प्रवेश किया और करीब 2.50 लाख रुपये का माल चुरा लिया। शिकायतकर्ता स्वप्नील कृष्णत चोरगे ने नारपोली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया है। पुलिस के अनुसार, यह वारदात 8 अप्रैल 2026 की तड़के करीब 1:30 बजे हुई। चोरों ने औजार की मदद से ग्रिल तोड़ी और गोदाम में रखे 22 नल व ड्राय वॉटर से जुड़ा सामान लेकर फरार हो गए। नारपोली पुलिस ने गुन्हा रजि. क्र. 274/2026 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस हवलदार संतोष सस्कर इस मामले की जांच कर रहे हैं और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

दो नाबालिग बाइक चोर गिरफ्तार

6 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

विट्ठलवाड़ी पुलिस ने नियमित पेट्रोलिंग के दौरान दो नाबालिगों को शक के आधार पर हिरासत में लेकर एक बड़े मोटरसाइकिल चोरी गिरोह का पर्दाफाश किया। पूछताछ में दोनों के पास से कुल 6 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। हाल के दिनों में विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन क्षेत्र में मोटरसाइकिल चोरी की घटनाएं तेजी से बढ़ रही थीं। इन घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कोली और पुलिस इंस्पेक्टर (क्राइम) चंद्रहर गोडसे के मार्गदर्शन में विशेष अभियान चलाया जा रहा था।

जुवेनाइल होम भेजे गए आरोपी

दोनों नाबालिगों को कानून के तहत हिरासत में लेकर भिवंडी के जुवेनाइल रिफॉर्मेटरी भेज दिया गया है। पुलिस ने उनके खिलाफ मोटरसाइकिल चोरी का मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में पुलिस सब-इंस्पेक्टर बंकटस्वामी दराडे, एपीआई रामदास मिसाल सहित अन्य पुलिसकर्मियों ने अहम भूमिका निभाई। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कोली ने क्राइम ब्रांच टीम के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

जांच में सामने आई चोरी की सच्चाई

दोनों को हिरासत में लेकर मोटरसाइकिलों की जांच की गई, जिसमें वे चोरी की निकलीं। आगे पूछताछ में नाबालिगों ने खुलासा किया कि उन्होंने नेवाली इलाके में अपने घर के पास चार और चोरी की मोटरसाइकिलें छिपाकर रखी हैं, जिन्हें पुलिस ने तुरंत बरामद कर लिया।

नंबर पूछने पर नहीं दे सके जवाब, बढ़ा शक

क्राइम टीम सुबह चिंचपाड़ा इलाके में पेट्रोलिंग कर रही थी, तभी दो नाबालिग मोटरसाइकिल के साथ संदिग्ध हालत में मिले। जब पुलिस ने गाड़ी के नंबर के बारे में पूछताछ की, तो वे संतोषजनक जवाब नहीं दे सके, जिससे पुलिस का शक गहरा गया।

6 बाइक चोरी के मामलों का खुलासा

पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों नाबालिग सुनसान इलाकों में खड़ी मोटरसाइकिलों को निशाना बनाते थे। वे आधी रात या सुबह के समय लॉक तोड़कर बाइक चुरा लेते थे। उन्होंने विट्ठलवाड़ी क्षेत्र से 2 और कोलशेवाड़ी पुलिस स्टेशन क्षेत्र से 4 मोटरसाइकिलें चोरी करने की बात कबूली है।

मध्य रेल का रिकॉर्ड प्रदर्शन

2025-26 में 79.34 मिलियन टन माल ढुलाई
8279 करोड़ रुपये का राजस्व किया अर्जित

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मध्य रेल ने वित्त वर्ष 2025-26 में 79.34 मिलियन टन (MT) माल ढुलाई दर्ज करते हुए 8279 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। यह प्रदर्शन रेलवे के माल परिवहन क्षेत्र में मजबूती और निरंतर वृद्धि को दर्शाता है। मध्य रेल के पांचों मंडलों में नागपुर मंडल का योगदान सबसे अधिक रहा। नागपुर मंडल ने 42.72 मिलियन टन माल ढुलाई और 4597 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित करते हुए कुल ढुलाई में 54% और राजस्व में 55% की हिस्सेदारी दर्ज की।

लौह अयस्क और पेट्रोलियम में रिकॉर्ड वृद्धि

मध्य रेल ने चालू वर्ष के दौरान माल ढुलाई के क्षेत्र में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया है, जिसमें कई महत्वपूर्ण वस्तुओं के परिवहन में भारी बढ़ोत्तरी देखी गई है। विशेष रूप से लौह अयस्क की ढुलाई में पिछले वर्ष के 369 रेक के मुकाबले इस वर्ष 1022 रेक भरकर 177% की अभूतपूर्व वृद्धि हासिल की गई है। इसी प्रकार, ऊर्जा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण पेट्रोलियम उत्पादों में 13.4% की वृद्धि के साथ 2672 रेक की ढुलाई की गई, जबकि फ्लाई ऐश और क्लिंकर जैसे औद्योगिक कच्चे माल में भी क्रमशः 79% की उल्लेखनीय बढ़त दर्ज की गई है। खाद्य सामग्री और अन्य आवश्यक वस्तुओं के परिवहन में भी मध्य रेल ने अपनी दक्षता साबित की है, जहाँ प्याज के परिवहन में 133% और खाद्यान्न में 17.6% की सकारात्मक वृद्धि हुई है। बुनियादी ढांचा क्षेत्र को मजबूती देते हुए कंटेनर ढुलाई में 6.3% और सीमेंट (क्लिंकर सहित) में 3.1% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

कोयला ढुलाई में सबसे आगे

वस्तुओं की ढुलाई में कोयला शीर्ष पर रहा, जिसकी 33.92 मिलियन टन ढुलाई की गई। यह कुल ढुलाई का 45% है, जिससे 3219 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जो कुल राजस्व का 39% है।

मालगाड़ियों की संख्या में दोगुनी बढ़ोतरी

लंबी दूरी की मालगाड़ियों की संख्या में 100% से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। यह संख्या 2024-25 के 312 से बढ़कर 2025-26 में 719 हो गई है। वर्तमान में प्रतिदिन औसतन 359 मालगाड़ियों का संचालन किया जा रहा है।

नए टर्मिनलों से बढ़ी क्षमता

मध्य रेल ने माल ढुलाई को बढ़ावा देने के लिए कई नई साइडिंग और गुड्स एवं कार्गो टर्मिनल (GCT) शुरू किए। इनमें मूसा, मकरधोकड़ा, मुंगोली-निर्गुडा, लोनावला और बल्लारशाह में नए टर्मिनल शामिल हैं, जिनसे लोडिंग क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

पुलिस टीम से धक्का-मुक्की

सरकारी कार्य में बाधा डालने पर दो के खिलाफ मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

न्यू गौरीपाड़ा इलाके में टोरंट पावर की कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम के साथ धक्का-मुक्की और अभद्र व्यवहार का मामला सामने आया है। घटना के बाद भोईवाडा पुलिस स्टेशन में दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को हिरासत में ले लिया है, जबकि दूसरा आरोपी अभी फरार है। फरार आरोपी की तलाश के लिए पुलिस की टीम लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस के अनुसार, घटना 8 अप्रैल 2026 को दोपहर करीब 12:30 बजे की है। टोरंट पावर के अधिकारियों की कार्रवाई के दौरान सुरक्षा के लिए पुलिस टीम मौके पर मौजूद थी। इसी दौरान आरोपी सरवरअली अंसारी ने आक्रामक रुख अपनाते हुए एक पुलिसकर्मी को धक्का दिया और मौके पर हंगामा खड़ा कर दिया।

थाने में भी अभद्र व्यवहार और धमकी

पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर थाने लाया, जहां पहले से दर्ज आरोपी अख्तरअली अब्बास अली अंसारी ने भी पुलिस अधिकारियों के साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। एफआईआर के मुताबिक, आरोपी ने एक अधिकारी को आपत्तिजनक शब्द कहे और हाईकोर्ट तक घसीटने की धमकी देते हुए धक्का-मुक्की की। पुलिस का कहना है कि दोनों आरोपियों ने सरकारी कार्य में बाधा डालते हुए अधिकारियों को ड्यूटी करने से रोकने की कोशिश की। इस मामले में भोईवाडा पुलिस ने गुन्हा रजि. क्र. 141/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 121(1), 132, 221, 224 और 3(5) के अंतर्गत केस दर्ज किया है।

आरोपियों पर पहले से दर्ज हैं कई मामले

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, दोनों आरोपियों के खिलाफ पहले से भी मारपीट, धमकी और सरकारी कार्य में बाधा डालने जैसे कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। फिलहाल मामले की जांच पुलिस अधिकारी सुप्रिया जाधव कर रही हैं। घटना के दौरान मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं, जबकि फरार आरोपी की तलाश तेज कर दी गई है।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों का 21 अप्रैल से आमरण भूख हड़ताल

10 वर्षों से बकाया भुगतान न मिलने का आरोप

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर महानगरपालिका के करीब 1700 सेवानिवृत्त कर्मचारी और अधिकारी पिछले 10 वर्षों से अपने बकाया भुगतान के लिए संघर्ष कर रहे हैं। आरोप है कि सातवें वेतन आयोग, पेंशन, उपदान और अवकाश राशि सहित कई आर्थिक लाभ अब तक नहीं दिए गए हैं। इस आंदोलन की अगुवाई मनपा के राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त अग्निशामक विभाग प्रमुख कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि बकाया भुगतान नहीं किया गया तो 21 अप्रैल 2026 से मनपा मुख्यालय के सामने आमरण भूख हड़ताल शुरू की जाएगी।

मनपा मुख्यालय के सामने अनशन

उल्हासनगर महानगरपालिका सेवा निवृत्त कर्मचारी संघ ने घोषणा की है कि सभी प्रभावित कर्मचारी और अधिकारी 21 अप्रैल से मनपा मुख्यालय के सामने आमरण अनशन पर बैठेंगे। संघ के अनुसार, सेवानिवृत्त कर्मचारियों को लगभग 32 करोड़ रुपये का भुगतान लंबित है। 17 मार्च 2026 को मनपा आयुक्त मनीषा अव्हाले को पत्र देकर इस मुद्दे की जानकारी दी गई थी। अब तक कुल छह बार पत्र भेजे गए, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

आर्थिक संकट से जूझ रहे कर्मचारी

लंबे समय से भुगतान न मिलने के कारण कई सेवानिवृत्त कर्मचारी आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। पेंशन और अन्य लाभ न मिलने से उनके जीवनयापन पर गंभीर असर पड़ा है। इस संबंध में कर्मचारी संघ के अध्यक्ष बाला साहेब नेटके ने जानकारी दी। इस दौरान उपाध्यक्ष नंदलाल समतानी, सचिव तानाजी पतंगराव, सहसचिव प्रकाश वडनेरे, खजांची भगवान कुमावत सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

ठाणे रेलवे स्टेशन पर मोबाइल चोरों का आतंक

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे रेलवे स्टेशन और लोकल ट्रेनों में मोबाइल चोरी की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। पिछले दो दिनों में पांच अलग-अलग यात्रियों के मोबाइल चोरी होने के मामले सामने आए हैं, जिससे यात्रियों में दहशत का माहौल है। ठाणे रेलवे पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायतों के अनुसार, 4 से 6 अप्रैल 2026 के बीच अज्ञात चोरों ने पांच यात्रियों से करीब 1.80 लाख से अधिक कीमत के मोबाइल फोन चोरी किए। कुछ रिपोर्ट्स में कुल नुकसान 2 लाख रुपये से अधिक बताया गया है। पुलिस के अनुसार, सभी घटनाएं भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेनों में हुईं। चोरों ने ट्रेन में चढ़ते या खड़े यात्रियों की जेब से चालाकी से मोबाइल फोन निकाल लिए।

कई इलाकों के यात्री बने शिकार

चोरी का शिकार हुए यात्रियों में चेंबूर निवासी प्रोफेसर अतुल अनिल रणपिसे, भांडुप निवासी मोहम्मद सरफराज आलम, कल्याण निवासी विनोद चिटिमिला, दिवा निवासी श्याम प्रजापति और शांतनु कदम शामिल हैं। इन सभी मामलों में ठाणे रेलवे पुलिस स्टेशन में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और संदिग्धों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। इस मामले की जांच वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अर्चना दुसाने के मार्गदर्शन में की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

प्राचीन मंदिर से चांदी के चार मुखौटे चोरी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

ऐतिहासिक कुलाबा कोळीवाड़ा स्थित सैकड़ों वर्ष पुराने 'कुलाबा जमात ट्रस्ट मंदिर' में गुरुवार दोपहर चोरी की एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जिससे स्थानीय कोळी समाज में भारी आक्रोश और भय का माहौल है। चोरों ने दोपहर 1:00 से 5:00 बजे के बीच, जब मंदिर बंद था, कांच के दरवाजे की कुंडी खोलकर खंडोबा, म्हणाला देवी, भैरीदेवी, गावदेवी और एकवीरा देवी की मूर्तियों पर लगे करीब सवा दो किलो वजन के चांदी के चार मुखौटे पार कर दिए। पकड़े जाने से बचने के लिए आरोपियों ने मंदिर के सीसीटीवी कैमरों की वायर काट दी और रिकॉर्डिंग का सीपीयू (CPU) यूनिट भी साथ ले गए। कुलाबा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक सुधाकर देशमुख के अनुसार, इस मामले में एक संदिग्ध व्यक्ति पर शक है और चोरी हुए मुखौटों की बरामदगी के लिए विशेष टीम गठित कर दी गई है। स्थानीय निवासी गोरक्षनाथ कोळी ने बताया कि यह मंदिर कोळी समाज की आस्था का बड़ा केंद्र है और इस तरह की चोरी की घटना इलाके में पहली बार हुई है।

स्वच्छता के लिए बीएमसी का वॉर रूम प्लान

- आयुक्त अश्विनी भिडे ने सहायक आयुक्तों को दिए फील्ड विजिट के निर्देश
- कचरा प्रबंधन के लिए ई-वाहनों पर ज़ोर

धीरज सिंह । मुंबई

बृहन्मुंबई क्षेत्र में स्वच्छता कार्यों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए महानगरपालिका आयुक्त अश्विनी भिडे ने मध्यवर्ती नियंत्रण कक्ष यानी 'वॉर रूम' स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि स्वच्छता की स्थिति का जमीनी स्तर पर आकलन करने के लिए संबंधित विभागों के सहायक आयुक्त नियमित रूप से क्षेत्र का दौरा करें। यह निर्देश 9 अप्रैल 2026 को महानगरपालिका मुख्यालय में आयोजित बैठक के दौरान दिए गए, जिसमें घनकचरा प्रबंधन विभाग के विभिन्न प्रोजेक्ट्स और कार्यों की समीक्षा की गई। इस बैठक में उप आयुक्त प्रशांत गायकवाड और उप आयुक्त (घनकचरा प्रबंधन) किरण दिघावकर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आयुक्त अश्विनी भिडे ने कहा कि स्वच्छता एक निरंतर प्रक्रिया है, जिसे नियमित और प्रभावी तरीके से लागू करना आवश्यक है। उन्होंने विशेष रूप से समुद्री तटीय मार्गों और व्यस्त सड़कों पर सूक्ष्म स्तर पर सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके लिए आधुनिक तकनीक से लैस कस्टमाइज्ड वाहनों के उपयोग पर भी जोर दिया गया।

नागरिक सहभागिता से बनेगी स्वच्छ मुंबई

उन्होंने कहा कि कुछ प्रमुख स्थानों को स्वच्छता के मॉडल के रूप में विकसित किया जाए और वहां की सफाई बनाए रखने के लिए नागरिकों में जागरूकता बढ़ाई जाए। 'मुंबई क्लीन लीग' में नागरिकों और संस्थानों से अधिकाधिक भागीदारी की अपील भी की गई। बैठक में बताया गया कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका कचरा संग्रहण के लिए बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग करने वाली देश की पहली नगरपालिका बन गई है। वर्तमान में लगभग 10 प्रतिशत वाहन ई-व्हीकल हैं। शहर में प्रतिदिन करीब 7200 मीट्रिक टन कचरा एकत्र कर वैज्ञानिक तरीके से उसका निपटान किया जा रहा है।

सेवा आधारित अनुबंध से बढ़ी दक्षता

अधिकारियों ने जानकारी दी कि स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सेवा आधारित अनुबंध प्रणाली लागू की गई है। शहर में 46 स्थानों पर सूखा कचरा पृथक्करण केंद्र संचालित हैं और घरेलू सैनिटरी कचरे के लिए विशेष संग्रहण सेवा भी शुरू की गई है।

पार्थ पवार ने राज्यसभा सांसद पद की ली शपथ

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/नई दिल्ली

पार्थ पवार ने गुरुवार को राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ लेकर संसद में अपना औपचारिक प्रवेश कर लिया। उनके शपथग्रहण को लेकर पिछले कई दिनों से राजनीतिक हलकों में चर्चाएं चल रही थीं।

अजित पवार की झलक महसूस हुई

उपस्थित लोगों के बीच यह चर्चा भी रही कि पार्थ पवार की आवाज और देहभाषा में भी कुछ हद तक अजित पवार की झलक देखने को मिली, जिससे यह क्षण और भी भावुक बन गया।

उपराष्ट्रपति ने दिलाई शपथ

शपथग्रहण समारोह नई दिल्ली में आयोजित हुआ, जहां भारत के उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह के दौरान सबसे ज्यादा चर्चा पार्थ पवार के पहनावे की रही। उन्होंने दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार की पहचान बन चुकी गुलाबी जैकेट पहनकर शपथ ली, जिससे भावनात्मक माहौल बन गया।

परिवार और दिग्गज नेताओं की मौजूदगी

इस मौके पर महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार, एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे, कांग्रेस नेता जयराम रमेश और भाजपा अध्यक्ष जे. पी. नड्डा भी उपस्थित रहे। अजित पवार के निधन के बाद पार्टी की जिम्मेदारी सुनेत्रा पवार संभाल रही हैं। ऐसे में पार्थ पवार के राज्यसभा में प्रवेश को राजनीतिक और भावनात्मक दोनों ही दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दंगे के आरोपियों पर चला बीएमसी का बुलडोजर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

अवैध निर्माण ध्वस्त, ड्रग्स रैकेट का भी खुलासा

दिंडोशी (मलाड पूर्व) में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने और हिंसा फैलाने वाले तत्वों के खिलाफ प्रशासन ने 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई है। संतोष नगर में त्रिशूल यात्रा के दौरान हुए दंगे के मुख्य आरोपियों के अवैध साम्राज्य पर गुरुवार (9 अप्रैल) को बृहन्मुंबई महानगरपालिका का बुलडोजर चला।

लाउडस्पीकर विवाद से भड़की थी हिंसा

घटना रविवार (5 अप्रैल) की रात की है, जब संतोष नगर में 'देवी मरियम्मा' की पूजा और त्रिशूल यात्रा निकाली जा रही थी। लाउडस्पीकर पर भजन बजाने को लेकर हुए विवाद में मुस्लिम समुदाय के कुछ युवकों ने हिंदू युवकों के साथ मारपीट की, जिसके बाद मामला सांप्रदायिक झड़प में तब्दील हो गया। बीएमसी ने दंगे के मुख्य आरोपी शेख परिवार के अवैध निर्माण पर 24 घंटे का नोटिस दिया था। समय सीमा समाप्त होते ही गुरुवार को बीएमसी की टीम ने भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचकर अवैध रूप से बनी तीन मंजिलों और मोबाइल टावर के अतिक्रमण को ध्वस्त कर दिया।

ड्रग्स तस्करी का खौफनाक एंगल

पुलिस की जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि दंगा भड़काने वाला यह परिवार इलाके में लंबे समय से ड्रग्स तस्करी के अवैध कारोबार में शामिल था। तलाशी के दौरान आरोपियों के घर से ड्रग्स के पैकेट बरामद हुए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि आरोपियों ने इलाके में अपनी दहशत फैला रखी थी। आरोपियों की मनमानी का आलम यह था कि उन्होंने पिछले 5 महीनों से इलाके के एक नवनिर्मित सार्वजनिक शौचालय का उद्घाटन नहीं होने दिया था।

एनसीपी के दोनों गुटों के विलय की अटकलों पर विराम

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

एनसीपी (एसपी) के प्रदेशाध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने स्पष्ट किया है कि दोनों एनसीपी के विलय का मुद्दा अब पूरी तरह समाप्त हो गया है। पार्टी अब इस विषय पर आगे कोई चर्चा नहीं करेगी। शशिकांत शिंदे ने कहा कि पार्टी का पूरा ध्यान अब संगठन को मजबूत करने और राज्यभर में विस्तार करने पर है। इसके लिए लगातार बैठकों और रणनीति पर काम किया जा रहा है।

पार्टी प्रमुख शरद पवार की एनसीपी की मुंबई में पिछले तीन दिनों से बैठक चल रही है। गुरुवार को बैलार्ड पियर स्थित कार्यालय में मुंबई विभाग की समीक्षा की गई। इस बैठक में सुप्रिया सुले और शिंदे ने पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि वे विलय की चर्चाओं को नजरअंदाज कर संगठन विस्तार और जनाधार बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करें। बैठक में यह भी तय किया गया कि पार्टी आने वाले समय में जनहित के मुद्दों पर आक्रामक रुख अपनाएगी। साथ ही, अगले साल के कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तैयार की गई।

जिला और तहसील स्तर पर होंगे कैंप

पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए मई महीने में जिला अध्यक्षों और उसके बाद सभी तहसील अध्यक्षों के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे।शशिकांत शिंदे ने बताया कि काबिल और सक्रिय कार्यकर्ताओं को संगठन में जिम्मेदारियां दी जा रही हैं, जिससे पार्टी को जमीनी स्तर पर और मजबूती मिल सके।

नए केस में अशोक खरात को पीसीआर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/नाशिक

चर्चित 'आईटी हब' और अत्याचार प्रकरण के मुख्य आरोपी भोंदूबाबा अशोक खरात की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। नाशिक सत्र न्यायालय ने उसे तीसरे मामले में 5 दिन की पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया है। इससे पहले दूसरे मामले में 7 दिन की हिरासत पूरी होने के बाद आरोपी को न्यायाधीश बी. एन. इचपुराणी की अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया, जहां आगे की सुनवाई हुई।

सुनवाई के दौरान जांच अधिकारियों ने अदालत को बताया कि आरोपी लोगों को नकली सांप और बाघ का डर दिखाकर ठगता था। वह 'मंत्रित' पत्थर और चिंचोके बेचकर लोगों से पैसे ऐंठता था।

महिलाओं को नशीला पदार्थ देने का आरोप

पुलिस के मुताबिक, आरोपी महिलाओं को वश में करने के लिए उन्हें खास प्रकार का द्रव्य या पेढ़े खिलाता था। इन पदार्थों में क्या मिलाया जाता था और इन्हें कहां से लाया जाता था, इसकी जांच अभी बाकी है।

सरकारी वकील ने दलील दी कि आरोपी बेहद चालाक है और जांच में सहयोग नहीं कर रहा है। उसके पास से जब्त पेनड्राइव और लैपटॉप की जानकारी के आधार पर आमने-सामने पूछताछ जरूरी है।

बचाव पक्ष ने किया विरोध

आरोपी के वकील सचिन भाटे ने पुलिस हिरासत का विरोध करते हुए कहा कि मामले की जांच पहले से एसआईटी कर रही है और एक ही मुद्दे पर बार-बार हिरासत की मांग उचित नहीं है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए 5 दिन की पुलिस हिरासत मंजूर की। इस दौरान आरोपी से और अहम सुराग मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

भोजनालय ने गुजराती हटाकर मराठी साइनबोर्ड लगाया

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

कांदिवली के चारकोप विधानसभा क्षेत्र स्थित एक भोजनालय को अपना गुजराती भाषा में लिखा साइनबोर्ड बदलना पड़ा। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) द्वारा आपत्ति जताए जाने के बाद यह कदम उठाया गया।

मनसे के स्थानीय पदाधिकारी उदय कोंडविलकर के अनुसार, भोजनालय का गुजराती साइनबोर्ड व्हाट्सएप ग्रुप्स में तेजी से वायरल हो रहा था, जिसके बाद इस पर पार्टी कार्यकर्ताओं का ध्यान गया। कोंडविलकर ने बताया कि मंगलवार को मनसे कार्यकर्ताओं ने भोजनालय के मालिक से मुलाकात कर उन्हें साइनबोर्ड

बदलने के लिए पत्र सौंपा। उन्होंने नियमों का हवाला देते हुए मराठी में बोर्ड लगाने का अनुरोध किया। भोजनालय के मालिक ने मनसे की मांग मान ली और अगले ही दिन गुजराती साइनबोर्ड हटाकर उसकी जगह मराठी भाषा (देवनागरी लिपि) में नया साइनबोर्ड लगा दिया। यह भोजनालय मुख्य रूप से चाट परोसने के लिए जाना जाता है और इलाके में लोकप्रिय है।

बारामती-राहुरी उपचुनाव

भाजपा ने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के बारामती और राहुरी विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी ने प्रचार के लिए 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है, जिसे चुनाव आयोग को सौंप दिया गया है।

स्टार प्रचारकों की सूची में देवेंद्र फडणवीस प्रमुख भूमिका निभाएंगे। उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण भी चुनावी मैदान में सक्रिय रहेंगे। सूची में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, शिव प्रकाश, चंद्रशेखर बावनकुले, विनोद तावड़े और अशोक चव्हाण जैसे वरिष्ठ नेताओं को भी शामिल किया गया है। इसके अलावा सुधीर मुनगंटीवार, चंद्रकांत पाटिल, रावसाहेब दानवे, पंकजा मुंडे, गिरीश महाजन, गणेश नाईक और उदयनराजे भोसले जैसे नेताओं को भी प्रचार की जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी ने इस सूची में युवा और क्षेत्रीय नेताओं को भी शामिल किया है, जिनमें नितेश राणे, अतुल सावे, चित्रा वाघ, प्रवीण दरेकर और डॉ. सुजय विखे पाटिल प्रमुख हैं।

पश्चिम रेलवे

पीवीसी स्ट्रिपिंग, बिछाने एवं वेल्डिंग कार्य

मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, कैरेज रिपेयर वर्कशॉप, पश्चिम रेलवे, एन. एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई - 13 **निविदा सूचना संख्या:WR-PL-ME-EST-699552-A दिनांक 06/04/2026** आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम एवं स्थानः कैरेज रिपेयर वर्कशॉप, लोअर परेल, मुंबई में POH के दौरान कोचों के फर्श पर पीवीसी स्ट्रिपिंग, बिछाने एवं वेल्डिंग कार्य। **अनुमानित लागत:** 85,11,952.42/- **ईएमडी :** 1,70,200.00/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 27/04/2026, दोपहर 13:00 बजे तक, **निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 27/04/2026, दोपहर 13:00 बजे, अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** देखें. **1291**

Like us on: facebook.com/WesternRly

मध्य रेल

ओएचई कार्य

खुली निविदा सूचना स.: BB.LD.585.W.893.CONTR2, दिनांक 08.04.2026. कार्य का नाम: मुंबई मंडल में 15 कोच उपनगरीय ट्रेन हेतु CSMT में प्लेटफॉर्म संख्या 4, 5, 6 के विस्तार तथा यार्ड मॉडलिंग कार्य के संबंध में 25 के. वी. ए.सी. ओएचई संशोधन कार्य। **अनुमानित लागत:** रु 4,73,78,462/-. **बिड सिक्योरिटी:** रु 9,47,600/-. **ऑफर की वैधता:** 60 दिन। **समापन अवधि:** 12 महीने। **निविदा फार्म का मूल्य:** रु 0/-.**I) उक्त निविदा का, निविदा बंद करने की तारीख और समय: दिनांक 30.04.2026 को 11:00 बजे तक, और 11:00 बजे के बाद खोला जाएगा। II)** शुद्धिपत्रक के विवरण हेतु अग्रदर्शी निविदाओं के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर भेट देने का अनुरोध है। **III)** केवल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से उपर्युक्त इलेक्ट्रॉनिकलि ई-टेन्डर में निविदाधारक सहभाग ले सकते है और ई-टेन्डर के अलावा हस्तचलित प्रस्तुत करने का निवेदन देने की अनुमति नही है। हस्तचलित रूप से, यदि निविदा खुलने के बाद की प्रस्तुति का विचार नही किया जाएगा। **IV)** निविदा दस्तावेज में दिए गए विवरण के अनुसार बिड सिक्योरिटी का भुगतान किया जाना चाहिए। **V)** अतिरिक्त जानकारी के लिए संपर्क: वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (कर्षण वितरण), दूसरी मंजील, एनेक्स भवन, सीएसएमटी मुंबई - 400001. फोन 022-22612355. निवीदाओं संबधी संपूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा संबंधी संपूर्ण विवरण वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (कर्षण वितरण), दूसरी मंजील, एनेक्स भवन, सीएसएमटी मुंबई - 400001 के "नोटिस बोर्ड" पर भी उपलब्ध है। **AK-35**

खतरनाक व विस्फोटक सामान के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल

सोलापुर मंडल

विद्युत कार्य

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क. वि). मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाईसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेल्वे की ई प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई-निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा क्रं.: सोला/क.वि./नि/2026/09. कार्य का नाम:** निम्नलिखित के संबंध में विदयुत टीआरडी का कार्य **1)** सोलापुर डिवीजन में ट्रामवे ओएचई को पारंपरिक ओएचई में परिवर्तित करने का प्रस्ताव और **2)** वाडी यार्ड - एनआरडी लाइनों के सीएमएल को बढ़ाने के लिए सोलापुर छोर की ओर 40 मीटर तक पॉइंट और स्टार्टर सिग्नल को स्थानांतरित करने का कार्य। **अनुमानित लागत:** रु2,78,14,442.84. **बयाना राशि:** रु 5,56,300/-. **कार्य पुरा करने की अवधि:** 12 माह। **निविदा प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन। **वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि और समय:** दि. 07.05.2026 को 15:00 बजे।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजिनीअर, मध्य रेल्वे, सोलापुर

AK/Sur-22

खतरनाक व विस्फोटक सामान के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है

सूचना

श्रीमती कलावती सुंदरलाल तेली, वय ८३ ,राहनार रूम नंबर ४, सीटीजन अपार्टमेंट, विजय नगर, नालासोपारा, पूर्व जी पालघर मी वरील ठिकाणी राहनार असून गाडी नं MH04GR8435 माझे पती कै. सूंदरलाल तेली यांच्या नावे नोंद आहे. माझे पती कै. सूंदरलाल तेली यांचे दिनांक १८.९.२०२५ रोजी निधन झाले. मी श्रीमती कलावती सुंदरलाल तेली कायदेशीर वारस आहे तरी सदर हुने गाडी माझे नावावर ट्रांसफर करून देण्यात यावी व जर सदर ट्रांसफर कामी कोणी हरकत/तक्रार निर्माण केल्यास त्यास मी सर्वस्वी जवाबदार राहीन

ठिकाण : नालासोपारा — सही/-

दिनांक : १०.०४.२०२६ — श्रीमती कलावती सुंदरलाल तेली

मध्य रेल द्वारा कोंकण के लिए 4 एसी विशेष गाड़ीयों का संचालन

सीएसएमटी (मुंबई) ⇌ मडगांव ⇌ सीएसएमटी (मुंबई)

एसी विशेष गाड़ी - 4 सेवाएं

गाड़ी सं.	प्रस्थान	आगमन
01129 एसी विशेष गाड़ी	छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से 10.04.2026 तथा 14.04.2026 को 00:20 बजे	मडगांव में 15:15 बजे (उसी दिन)
01130 एसी विशेष गाड़ी	मडगांव से 10.04.2026 तथा 14.04.2026 को 16:00 बजे	छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस में 03:45 बजे (अगले दिन)

ठहराव : दादर, ठाणे, पनवेल, पेन, रोहा, मानगांव, वीर, खेड़, चिपलुन, सावरदा, अरावली रोड, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, अडवली, विलवडे, राजापुर रोड, वैभववाड़ी रोड, कंकवली, सिंधुदुर्ग, कुडाल,सावंतवाड़ी रोड,थिविम और करमाली।

संयोजन : 18 एसी 3-टियर इकोनॉमी एवं 2 जनरेटर वैन

अधिक जानकारी के लिए कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं या एनटीईएस ऐप डाउनलोड करें।

ट्रेन नंबर 01129 के लिए बुकिंग पहले से ही खुली है

मध्य रेल
www.cr.indianrailways.gov.in

centralrailwayindia Central_Railway

अजित पवार विमान हादसा: संजय राऊत ने की एफआईआर की मांग

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

कथित अजित पवार विमान हादसे को लेकर राजनीति गरमा गई है। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राऊत ने इस मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग दोहराते हुए सरकार पर सवाल खड़े किए हैं। संजय राऊत ने कहा कि अगर कुछ गलत नहीं है तो एफआईआर दर्ज करने में डर कैसा? उन्होंने सीधे तौर पर भाजपा और राज्य सरकार को चुनौती देते हुए पारदर्शिता की मांग की।

सरकार पर टालमटोल का आरोप

राऊत ने मुख्यमंत्री और सत्ताधारी दल की आलोचना करते हुए कहा कि हादसे की सच्चाई सामने लाने की बात तो की जा रही है, लेकिन एफआईआर दर्ज नहीं की जा रही। उन्होंने संबंधित एयरलाइन के खिलाफ कार्रवाई में देरी का भी आरोप लगाया। राऊत ने उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार, सांसद पार्थ पवार और जय पवार से इस मामले में पहल करने की अपील की। एनसीपी (एसपी) के विधायक रोहित पवार ने भी शुरू से ही इस मामले में केस दर्ज कर गहन जांच कराने की मांग की है।

संपादकीय

बाल तस्करी पर अलार्म कॉल

देश में बढ़ती बाल तस्करी पर सुप्रीम कोर्ट की हालिया सख्त टिप्पणी केवल एक न्यायिक हस्तक्षेप नहीं, बल्कि शासन-व्यवस्था के लिए आईना है। अदालत ने स्पष्ट कहा है कि यदि राज्यों ने तुरंत और प्रभावी कदम नहीं उठाए, तो हालात बेकाबू हो सकते हैं। यह चेतावनी उस समस्या की गहराई को रेखांकित करती है, जो लंबे समय से हमारे सामाजिक और प्रशासनिक ढांचे में छिपी हुई है, लेकिन अब भयावह रूप लेती जा रही है। बाल तस्करी कोई अलग-थलग अपराध नहीं, बल्कि यह गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, सामाजिक असमानता और प्रशासनिक ढिलाई का संयुक्त परिणाम है। देश के कई हिस्सों में बच्चों को मजदूरी, घरेलू काम, यौन शोषण और अवैध गतिविधियों के लिए बेचा जा रहा है। संगठित गिरोहों का नेटवर्क इतना मजबूत हो चुका है कि वे राज्य सीमाओं को पार करते हुए एक सुव्यवस्थित 'अंडरग्राउंड अर्थव्यवस्था' का हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में केवल कानून बनाना या निर्देश जारी करना पर्याप्त नहीं, बल्कि उनके कठोर क्रियान्वयन की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने 2025 के अपने फैसले का हवाला देते हुए जिन सुधारों की बात की थी—जैसे एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट्स को मजबूत करना, त्वरित न्याय सुनिश्चित करना और हॉटस्पॉट की पहचान करना—वे आज भी अधिकांश राज्यों में कागजों तक सीमित हैं। अदालत की नाराजगी इस बात पर है कि कई राज्यों ने न तो आवश्यक समितियां बनाई हैं और न ही समय पर रिपोर्ट दाखिल की है। यह लापरवाही केवल प्रशासनिक कमी नहीं, बल्कि संवेदनहीनता का संकेत भी है। यह प्रश्न उठता है कि आखिर बच्चों की सुरक्षा जैसे संवेदनशील मुद्दे पर राजनीतिक इच्छाशक्ति क्यों कमजोर पड़ जाती है? इसका एक कारण यह भी है कि बाल तस्करी अक्सर 'दिखने वाला अपराध' नहीं होता। यह न तो बड़े घोटालों की तरह सुर्खियां बटोरता है और न ही चुनावी मुद्दा बन पाता है। परिणामस्वरूप, सरकारें इसे प्राथमिकता सूची में नीचे रखती हैं। जबकि सच्चाई यह है कि यह समस्या समाज के सबसे कमजोर वर्ग—बच्चों—को सीधे प्रभावित करती है और उनके भविष्य को अंधकार में धकेल देती है। नीति की आवश्यकता है। सबसे पहले, पुलिस और जांच एजेंसियों को तकनीकी और मानव संसाधनों से सशक्त करना होगा। हर लापता बच्चे के मामले को संभावित तस्करी मानकर जांच शुरू करने का निर्देश केवल कागज पर नहीं, जमीन पर लागू होना चाहिए। इसके साथ ही, न्यायिक प्रक्रिया को तेज करना होगा ताकि अपराधियों को शीघ्र सजा मिल सके और एक सख्त संदेश जाए। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू सामाजिक जागरूकता का है। जब तक समाज इस मुद्दे को अपनी जिम्मेदारी नहीं मानेगा, तब तक केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं होंगे। गांवों और शहरी झुग्गियों में बच्चों की सुरक्षा, शिक्षा और निगरानी के लिए स्थानीय स्तर पर सामुदायिक भागीदारी जरूरी है। स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों और गैर-सरकारी संगठनों को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। अंततः, सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी को केवल एक कानूनी टिप्पणी के रूप में नहीं, बल्कि एक 'अलार्म कॉल' के रूप में देखना चाहिए। यदि अब भी राज्य सरकारें और संबंधित एजेंसियां नहीं चेतीं, तो यह समस्या न केवल कानून-व्यवस्था को चुनौती देगी, बल्कि हमारे सामाजिक ताने-बाने को भी कमजोर कर देगी। बच्चों की सुरक्षा केवल एक प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि एक नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी है जिसे टालने की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए।

शख्सियत | जोसेफ पुलित्जर

पत्रकारिता के आदर्शों के निर्माता

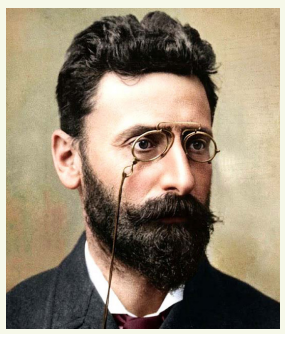

जोसेफ पुलित्जर का नाम विश्व पत्रकारिता के इतिहास में अत्यंत सम्मान के साथ लिया जाता है। उनका जीवन केवल एक सफल प्रकाशक की कहानी नहीं, बल्कि संघर्ष, दृष्टि और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का प्रेरक उदाहरण है।

10 अप्रैल 1847 को हंगरी में जन्मे पुलित्जर ने अपने जीवन की शुरुआत अत्यंत साधारण परिस्थितियों में की थी, लेकिन अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर वे अमेरिकी पत्रकारिता के शिखर तक पहुंचे। युवा अवस्था में ही वे अमेरिका चले गए, जहां उन्होंने विभिन्न छोटे-मोटे कार्य किए। उनकी रुचि लेखन और समाज के मुद्दों को समझने में थी, जिसने उन्हें पत्रकारिता की ओर प्रेरित किया। उन्होंने एक जर्मन भाषा के अखबार से अपने करियर की शुरुआत की और धीरे-धीरे अपनी पहचान एक तेज-तर्रार और निर्भीक पत्रकार के रूप में बना ली। उनकी लेखनी में सत्ता से सवाल पूछने का साहस और समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशीलता स्पष्ट दिखाई देती थी। पुलित्जर ने 1878 में सेंट लुई पोस्ट-डिस्पैच अखबार खरीदा और उसे एक प्रभावशाली मंच बना दिया। इसके बाद उन्होंने न्यूयॉर्क वर्ल्ड का अधिग्रहण किया और उसे जनसामान्य की आवाज बना दिया। उन्होंने पत्रकारिता में कई नवाचार किए, जैसे खोजी रिपोर्टिंग, जनहित के मुद्दों को प्रमुखता देना, और समाचारों को रोचक ढंग से प्रस्तुत करना। उनके प्रयासों से समाचार पत्र केवल सूचना देने का माध्यम नहीं रहे, बल्कि सामाजिक परिवर्तन के साधन बन गए। हालांकि, उनके समय में "पीत पत्रकारिता" (येलो जर्नलिज्म) का भी आरोप उन पर लगा, क्योंकि वे समाचारों को आकर्षक बनाने के लिए सनसनीखेज शैली का प्रयोग करते थे। लेकिन इसके बावजूद, उनका उद्देश्य समाज को जागरूक करना और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना ही था। उन्होंने भ्रष्टाचार, शोषण और असमानता के खिलाफ कई महत्वपूर्ण अभियान चलाए, जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव आए। जोसेफ पुलित्जर का सबसे बड़ा योगदान उनकी वसीयत के माध्यम से स्थापित पुलित्जर पुरस्कार है, जिसे आज पत्रकारिता, साहित्य और संगीत के क्षेत्र में सर्वोच्च सम्मान माना जाता है। 1911 में उनके निधन के बाद 1917 से यह पुरस्कार दिया जाना शुरू हुआ। यह सम्मान उन लोगों को दिया जाता है, जिन्होंने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया हो और समाज पर गहरा प्रभाव डाला हो। उनका मानना था कि पत्रकारिता का उद्देश्य केवल समाचार देना नहीं, बल्कि समाज को शिक्षित करना और लोकतंत्र को मजबूत बनाना है। उन्होंने पत्रकारों के लिए उच्च नैतिक मानदंड स्थापित किए और यह संदेश दिया कि सच्ची पत्रकारिता वही है, जो निष्पक्ष, साहसी और जनहित के प्रति समर्पित हो। आज के डिजिटल युग में, जब सूचना का प्रवाह बहुत तेज हो गया है और सत्य तथा असत्य के बीच अंतर करना चुनौतीपूर्ण हो गया है, पुलित्जर के विचार और भी प्रासंगिक हो जाते हैं। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं, बल्कि समाज की सेवा का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। इस प्रकार, जोसेफ पुलित्जर ने न केवल अपने समय में पत्रकारिता को नई दिशा दी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक मजबूत आधार तैयार किया। उनका योगदान सदैव पत्रकारिता जगत को प्रेरित करता रहेगा।

तपती गर्मी और बढ़ता स्वास्थ्य संकट

सावधानी ही सुरक्षा

डॉक्टर बबलू सोनकर
प्रांतीय चिकित्सा सेवा
उत्तर प्रदेश

दोपहर 12 से 3 बजे के बीच धूप में निकलने से बचना चाहिए। यदि बाहर जाना जरूरी हो, तो सिर को ढकें, हल्के और ढीले कपड़े पहनें तथा शरीर को धूप से बचाएं। बच्चों और बुजुर्गों को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। खानपान में स्वच्छता भी अत्यंत आवश्यक है—बासी और खुले खाद्य पदार्थों से बचें। सरकार ने कई राज्यों में "हीट एक्शन प्लान" लागू किए हैं, जिनके तहत लोगों को जागरूक किया जाता है और सार्वजनिक स्थानों पर पानी, छाया और स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं। स्कूलों के समय में बदलाव, काम के घंटों में लचीलापन और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की तैयारी जैसे कदम भी उठाए जा रहे हैं।

भारत में गर्मियों का प्रकोप हर वर्ष अधिक तीव्र होता जा रहा है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के कारण तापमान में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार देश के कई हिस्सों में तापमान 45 से 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है, और सामान्य से 5–7 डिग्री अधिक तापमान अब आम होता जा रहा है। यह केवल मौसम का बदलाव नहीं, बल्कि एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का संकेत है। भारत में हर वर्ष औसतन 5–6 बार हीट वेव (लू) की घटनाएँ दर्ज की जाती हैं, जो मुख्यतः मार्च से जून के बीच होती हैं। एक अध्ययन के अनुसार देश के लगभग 57 प्रतिशत जिले, जहाँ 76 प्रतिशत आबादी निवास करती है, हीट वेव के उच्च या अत्यधिक जोखिम वाले क्षेत्र में आते हैं। यह आँकड़ा बताता है कि गर्मी अब सीमित समस्या नहीं, बल्कि व्यापक राष्ट्रीय चुनौती बन चुकी है। गर्मी से होने वाली बीमारियों में हीट स्ट्रोक सबसे खतरनाक है। जब शरीर का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो जाता है, तो शरीर की ताप नियंत्रण प्रणाली विफल हो जाती है। भारत में 2015 की भीषण गर्मी में 1800 से अधिक लोगों की मौत हुई थी, जो इस खतरे की गंभीरता को दर्शाती है। हाल के आंकड़ों के अनुसार 2024 में 40,000 से अधिक हीट स्ट्रोक के मामले और 100 से अधिक मौतें दर्ज की गईं। 2020 से 2022 के बीच भी 1600 से अधिक लोगों की मौत लू के कारण हुई। विशेषज्ञ मानते हैं कि वास्तविक संख्या इससे अधिक हो सकती है, क्योंकि कई मामलों को सही रूप से दर्ज नहीं किया जाता। डिहाइड्रेशन यानी शरीर में पानी की कमी भी एक बड़ी समस्या है। गर्मियों में अस्पतालों में आने वाले लगभग 30–40 प्रतिशत मरीज इसी समस्या से ग्रस्त होते हैं। अत्यधिक पसीना आने से शरीर से पानी और आवश्यक लवण निकल जाते हैं, जिससे चक्कर, कमजोरी और बेहोशी जैसी स्थितियाँ उत्पन्न होती हैं। बच्चों, बुजुर्गों और श्रमिक वर्ग के लोग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। खासकर निर्माण कार्य, खेती और सड़क पर काम करने वाले श्रमिकों के लिए यह खतरा कई गुना बढ़ जाता है। गर्मी के कारण फूड पॉइजनिंग, दस्त और उल्टी जैसी

बीमारियाँ भी तेजी से फैलती हैं। उच्च तापमान में बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं, जिससे भोजन जल्दी खराब हो जाता है। इसके अलावा त्वचा संबंधी रोग जैसे घमौरियाँ, सनबर्न और एलर्जी आम हो जाते हैं। लंबे समय तक धूप में रहने से त्वचा और आँखों को स्थायी नुकसान भी हो सकता है। साथ ही, अत्यधिक गर्मी से मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है—चिड़चिड़ापन, तनाव और थकान बढ़ जाती है, जिससे कार्यक्षमता पर असर पड़ता है। इन खतरों से बचाव के लिए सबसे जरूरी है जागरूकता और सावधानी। विशेषज्ञों के अनुसार एक व्यक्ति को प्रतिदिन कम से कम 3–4 लीटर पानी पीना चाहिए। नींबू पानी, छाछ, नारियल पानी और मौसमी फलों का सेवन लाभकारी होता है। अत्यधिक चाय, कॉफी और मीठे पेय पदार्थों से बचना चाहिए, क्योंकि ये शरीर में पानी की कमी बढ़ाते हैं। नमक-शक्कर का घोल (ओआरएस) भी शरीर में इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाए रखने में सहायक होता है।

दोपहर 12 से 3 बजे के बीच धूप में निकलने से बचना चाहिए। यदि बाहर जाना जरूरी हो, तो सिर को ढकें, हल्के और ढीले कपड़े पहनें तथा शरीर को धूप से बचाएं। बच्चों और बुजुर्गों को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। खानपान में स्वच्छता भी अत्यंत आवश्यक है—बासी और खुले खाद्य पदार्थों से बचें।

सरकार ने कई राज्यों में "हीट एक्शन प्लान" लागू किए हैं, जिनके तहत लोगों को जागरूक किया जाता है और सार्वजनिक स्थानों पर पानी, छाया और स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं। स्कूलों के समय में बदलाव, काम के घंटों में लचीलापन और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की तैयारी जैसे कदम भी उठाए जा रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में हरित क्षेत्र बढ़ाने और जल संरक्षण पर भी जोर दिया जा रहा है।

अंततः यह स्पष्ट है कि बढ़ती गर्मी अब केवल मौसम की समस्या नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य संकट बन चुकी है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो यह खतरा और गंभीर हो सकता है। जागरूकता, सावधानी, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामूहिक प्रयास ही इस चुनौती से निपटने का सबसे प्रभावी उपाय हैं।

हमारी गीता

अर्जुन का मोह और शोक का सत्य

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

श्रीमद्भगवद्गीता मानव जीवन के गहन मनोविज्ञान और आध्यात्मिक सत्य को सरल भाषा में समझाने वाला अद्भुत ग्रंथ है। इसमें अर्जुन का मोह और शोक केवल एक घटना नहीं, बल्कि हर मनुष्य की आंतरिक स्थिति का प्रतिबिंब है। हम "शोक" और "मोह" शब्दों को जानते तो हैं, पर उनका वास्तविक अर्थ नहीं समझते। शोक वह मानसिक पीड़ा है, जो आसक्ति और हानि के भय से उत्पन्न होती है। केवल शब्दों का ज्ञान शोक को समाप्त नहीं कर सकता, बल्कि उसके कारण को समझना आवश्यक होता है। जब कारण स्पष्ट होता है, तभी उसका निवारण संभव होता है। मोह का अर्थ है अज्ञान या भ्रम—जो जैसा है, उसे वैसा न जानकर कुछ और समझ लेना। जैसे मृगजल में पानी का भ्रम या सीप में चांदी का आभास। यह सब मन के भ्रम हैं। मोह बाहरी वस्तुओं में नहीं, बल्कि मन की अवस्था में होता है। इसलिए इसका समाधान बाहरी क्रियाओं से नहीं, बल्कि सही ज्ञान से ही संभव है। यही कारण है कि भगवान कृष्ण अर्जुन को ज्ञान का उपदेश देते हैं। अर्जुन स्वभाव से संवेदनशील और सद्गुणी हैं, लेकिन यही संवेदनशीलता जब आसक्ति में बदलती है, तो शोक का कारण बनती है। कुरुक्षेत्र में अपने ही संबंधियों को देखकर वे भावनात्मक रूप से विचलित हो जाते हैं। इस शोक के कारण उनके मन में मोह उत्पन्न होता है और वे युद्ध को पाप समझने लगते हैं। वास्तव में, एक क्षत्रिय के लिए धर्मयुद्ध करना उसका स्वधर्म है, और कर्तव्य कभी पाप नहीं हो सकता। परंतु मोह के कारण अर्जुन अपने कर्तव्य को भूल जाते हैं। यही भूल उनके शोक का मूल कारण बनती है। जब मनुष्य अपने स्वधर्म से दूर होता है, तब वह भ्रम और दुख में फंस जाता है। जैसे ही मनुष्य अपने कर्तव्य को पहचानता है, उसका मोह समाप्त होने लगता है और शोक भी स्वतः दूर हो जाता है। सच्चा ज्ञान वही है, जो मन को शांति, आनंद और संतुलन प्रदान करे। यदि ज्ञान होने के बाद भी भय, चिंता और शोक बना रहे, तो वह अधूरा ज्ञान है। भगवान कृष्ण अर्जुन को युद्ध करने या न करने का निर्देश नहीं देते, बल्कि उनके अज्ञान और मोह को दूर करते हैं। वे बताते हैं कि दुख का कारण बाहरी परिस्थितियां नहीं, बल्कि मन का भ्रम है। जब मनुष्य अपने स्वधर्म में जागरूक होता है, तब विषाद

जीवन ऊर्जा | डॉ. सैमुअल हैनीमैन : जन्म : 10 अप्रैल 1755 | जन्म

डॉ. सैमुअल हैनीमैन का जन्म 10 अप्रैल 1755 को जर्मनी के मीसेन शहर में हुआ था। वे आधुनिक 'होम्योपैथी' चिकित्सा पद्धति के संस्थापक और जनक माने जाते हैं। उन्होंने 'सम: समं शमयति' के क्रांतिकारी सिद्धांत को प्रतिपादित किया, जिसने चिकित्सा जगत को एक वैकल्पिक और सौम्य मार्ग दिखाया। उनकी प्रसिद्ध रचना 'ऑर्गनॉन ऑफ मेडिसिन' आज भी होम्योपैथी का आधार स्तंभ है। इनका निधन 2 जुलाई 1843 को पेरिस शहर में हुआ।

ज्ञान तभी सार्थक है जब वह किसी के दुख को कम कर सके

चिकित्सक का सर्वोच्च और एकमात्र मिशन बीमार व्यक्ति को स्वस्थ बनाना है। उपचार का उच्चतम आदर्श स्वास्थ्य की त्वरित, कोमल व स्थायी बहाली होना चाहिए। दवाओं को कभी भी बीमारी के नाम पर नहीं, बल्कि रोगी के लक्षणों के आधार पर दिया जाना चाहिए। शक्तिशाली दवाओं की बड़ी खुराक अक्सर बीमारी से अधिक हानिकारक होती है। मानव शरीर में स्वयं को ठीक करने की एक अद्भुत 'जीवन शक्ति' होती है। सच्चा चिकित्सक वही है जो प्रकृति के इन नियमों का पालन करता है। समानता का सिद्धांत (Like Cures Like) प्रकृति का शाश्वत नियम है। दवा की मात्रा जितनी सूक्ष्म होगी, उसका प्रभाव उतना ही गहरा व सुरक्षित होगा। होम्योपैथी शरीर की अपनी रक्षा प्रणाली को सक्रिय करने का विज्ञान है। औषधि का काम रोग को दबाना नहीं बल्कि उसे जड़ से मिटाना है। अनुभव ही चिकित्सा विज्ञान का एकमात्र सच्चा मार्गदर्शक है। एक बुद्धिमान चिकित्सक प्रकृति का सहायक होता है, उसका स्वामी नहीं। मानवता की सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा है। ज्ञान तभी सार्थक है जब वह किसी के दुख को कम कर सके। सादगी, संयम और पूर्वाग्रह मुक्त सोच ही सत्य की खोज में सहायक होती है। मेरा जीवन मानवता के कल्याण के लिए समर्पित रहा है। हर रोगी का उपचार उसकी अद्वितीय प्रकृति के आधार पर ही व्यक्तिगत रूप से किया जाना चाहिए।

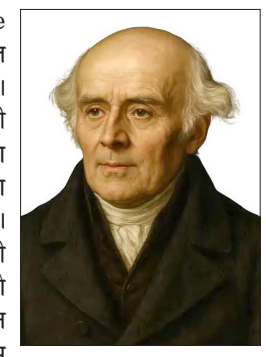

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

कृपा, न्याय और मार्गदर्शन का अद्भुत संतुलन

भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में गुरु और भगवान दोनों का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। एक प्रेरक कथा के माध्यम से यह समझाया जाता है कि जीवन में इन दोनों की भूमिका अलग होते हुए भी एक दूसरे के पूरक है। यह कथा केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि गहरे आध्यात्मिक सत्य को उजागर करती है। एक व्यक्ति के घर एक दिन भगवान और गुरु दोनों एक साथ पधारते हैं। वह व्यक्ति अत्यंत प्रसन्न होकर बाहर आता है और उनके चरणों में गिरने के लिए आतुर हो जाता है। वह पहले भगवान के चरणों में झुकने लगता है, तभी भगवान उसे रोकते हुए कहते हैं कि पहले गुरु के चरणों में जाओ। वह व्यक्ति तुरंत गुरु की ओर दौड़ता है, लेकिन गुरु उसे रोकते हुए कहते हैं कि पहले भगवान के चरणों में जाना चाहिए, क्योंकि वही सर्वोच्च है। इस प्रकार व्यक्ति असमंजस में पड़ जाता है और बार बार भगवान और गुरु के बीच जाता रहता है। भगवान कहते हैं कि गुरु ही उसे उनके पास लाए हैं, इसलिए पहले गुरु का सम्मान होना चाहिए। वहीं गुरु कहते हैं कि भगवान ही सृष्टि के रचयिता हैं, इसलिए पहले भगवान की वंदना आवश्यक है। यह संवाद केवल बाहरी नहीं, बल्कि यह दर्शाता है कि जीवन में गुरु और भगवान दोनों की अपनी अलग लेकिन समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका है। अंत में भगवान उस व्यक्ति को समझाते हैं कि उनके यहां न्याय की एक निश्चित व्यवस्था है। वे बताते हैं कि यदि व्यक्ति ने अच्छे कर्म किए हैं, तो उसे स्वर्ग, मुक्ति और उत्तम जन्म प्राप्त होगा। लेकिन यदि उसने बुरे कर्म किए हैं, तो उसे दंड भी मिलेगा, उसे विभिन्न योनियों में भटकना पड़ेगा, कष्ट सहने पड़ेंगे और नरक का अनुभव भी करना होगा। भगवान का यह रूप न्यायप्रिय है, जहां कर्मों के आधार पर फल दिया जाता है। फिर भगवान गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए कहते हैं कि गुरु का स्वभाव अत्यंत करुणामय और सरल होता है। यदि कोई व्यक्ति गुरु के चरणों में पहले पहुंच जाता है, तो गुरु उसके दोषों को नहीं देखते, बल्कि उसे स्वीकार करते हैं। गुरु उसे शुद्ध करते हैं, उसके दोषों को दूर करते हैं और उसे योग्य बनाकर भगवान के चरणों में प्रस्तुत करते हैं। गुरु का कार्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि व्यक्ति को भीतर से बदलना और उसे उच्च स्तर तक ले जाना होता है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

TMC को एक सूत्र से पता चला है कि हुमायूं कबीर और BJP के बीच 1000 करोड़ रुपये का सौदा हो रहा है और इसमें PMO यानी प्रधानमंत्री कार्यालय भी शामिल है।ED यानी प्रवर्तन निदेशालय को आगे आकर हुमायूं कबीर को नोटिस देना चाहिए

-कुणाल घोष
नेता, टीएमसी

आरजी कर जैसे घटनाक्रम और संदेशखाली की घटना यह दिखाती है कि टीएमसी सरकार कैसे दुष्कर्मियों के साथ खड़ी नजर आती है। 4 मई के बाद बंगाल में कानून का राज स्थापित होगा। हर तरह की गुंडागर्दी का हिसाब लिया जाएगा, एक-एक करके जवाबदेही तय होगी।

-नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री, भारत

अगर 2019 के बाद उनकी किसी BJP नेता से मुलाकात का कोई फोटो या सबूत है तो सामने लाएं। यह वीडियो AI से बनाया गया है, पूरी तरह नकली है।ममता बनर्जी, अभिषेक बनर्जी, कुणाल घोष और फिरहाद हकीम इन चारों ने मिलकर यह साजिश रची है।

-हुमायूं कबीर
अध्यक्ष, AJUP पार्टी

वह कल राज्यसभा की शपथ लेने जा रहे हैं। 20 वर्षों तक बिहार में काम किया है, अब दिल्ली में भी काम करना है। इसीलिए यहां आ गए हैं। यहां से 3-4 दिन में लौटेंगे, तब इस्तीफा कर देंगे।

-नीतीश कुमार
सीएम, बिहार

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई-400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिदार).

ब्रीफ न्यूज़

व्यापक स्वच्छता और नाला सफाई अभियान का आगाज़

ठाणे। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के मार्गदर्शन और महापौर शर्मिला पिंपलोलकर के नेतृत्व में ठाणे के सभी वार्डों में एक सघन स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत कल, शुक्रवार 10 अप्रैल से शहर के नालों की सफाई का कार्य भी आधिकारिक तौर पर शुरू हो जाएगा। मनपा आयुक्त सौरभ राव के निर्देशों पर संचालित इस मुहिम की शुरुआत सुबह 10 बजे मुंब्रा वार्ड समिति के अमृत नगर नाले से की जाएगी, जहाँ महापौर और आयुक्त स्वयं उपस्थित रहेंगे। इससे पूर्व सुबह 8 बजे लोकमान्य सावरकरनगर के इंदिरानगर नाका और 9:30 बजे मुंब्रा के दारूह फलाह मस्जिद क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया जाएगा। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग के उपायुक्त मधुकर बोडके ने पुष्टि की है कि इस बड़े अभियान का उद्देश्य मानसून से पहले शहर की स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करना और जलभराव जैसी समस्याओं को रोकना है।

चैत्यभूमि पर तैयारियों की समीक्षा

मुंबई। भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की 135वीं जयंती के उपलक्ष्य में कोंकण डिविजनल कमिश्नर रूबल अग्रवाल ने 14 अप्रैल, 2026 के समारोह हेतु सभी एजेंसियों को अपनी योजनाओं को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए हैं। मुंबई कलेक्टरेट में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने स्पष्ट किया कि लाखों की संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पुलिस, नगर निगम और जिला प्रशासन को आपसी समन्वय से काम करना चाहिए। भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण और कानून-व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के साथ ही कमिश्नर ने चैत्यभूमि पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा, सीसीटीवी निगरानी, और नियंत्रण कक्ष की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण निर्देश दिए। इसके अलावा, कोंकण संभाग के सभी जिलों में सामाजिक समानता सप्ताह के तहत संविधान की प्रतियां बांटने, व्याख्यान आयोजित करने और महापुरुष की प्रतिमाओं पर विशेष विद्युत सज्जा करने के लिए जिला कलेक्टरों को निर्देशित किया गया है।

सिडको का अवैध निर्माणों पर कार्रवाई

पनवेल। सिडको के अवैध निर्माण विभाग ने 9 अप्रैल को पनवेल क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए कई अवैध ढांचों को ध्वस्त कर दिया। इस अभियान के तहत पनवेल नोड के सेक्टर 20E में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड को आवंटित भूखंड पर बने दो पक्के निर्माणों को हटाया गया। इसके अतिरिक्त, सेक्टर 21 के एक भूखंड पर लगभग 3000 वर्ग मीटर के दायरे में फैली 10 झोपड़ियाँ, एक कबाड़ गोदाम और एक बांस शेड को भी पूरी तरह निष्कासित कर दिया गया। यह सभी निर्माण बिना किसी वैध अनुमति के सिडको की नीतियों का उल्लंघन कर बनाए गए थे। स्थानीय पुलिस, सिडको सुरक्षा बल और महाराष्ट्र सुरक्षा बल के संयुक्त सहयोग से चलाए गए इस मिशन में जेसीबी, ट्रक और भारी संख्या में श्रमिकों का उपयोग किया गया।

बाभळेश्वर–कुडूस 400 केवी ट्रांसमिशन लाइन शुरू

मुंबई क्षेत्र की बिजली आपूर्ति होगी अधिक विश्वसनीय

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (महाट्रांसको) ने अपनी महत्वाकांक्षी बाभळेश्वर–कुडूस 400 केवी ट्रांसमिशन लाइन को गुरुवार को सफलतापूर्वक शुरू कर दिया है, जिससे मुंबई महानगर क्षेत्र की बिजली व्यवस्था को बड़ी मजबूती मिली है। नई लाइन के शुरू होने से मुंबई, ठाणे, पालघर और अहिल्यानगर जिलों में बिजली आपूर्ति अधिक स्थिर, सक्षम और भरोसेमंद होगी। इस परियोजना से लगभग 5 मेगावाट तक ट्रांसमिशन लॉस में कमी आएगी और क्षेत्र में वोल्टेज स्तर में भी सुधार होगा। यह द्विपथ (डबल सर्किट) ट्रांसमिशन लाइन लगभग 3000 मेगावाट तक अतिरिक्त बिजली वहन क्षमता उपलब्ध कराएगी, जिससे तेजी से बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। इससे औद्योगिक, वाणिज्यिक और घरेलू उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा।

ग्रिड की विश्वसनीयता में होगा सुधार

इस ट्रांसमिशन लाइन के शुरू होने से मौजूदा पडघे–बाभळेश्वर लाइनों पर दबाव कम होगा और संपूर्ण बिजली ग्रिड की विश्वसनीयता बढ़ेगी। साथ ही, कुडूस उपकेंद्र को अतिरिक्त बिजली स्रोत मिलने से मुंबई क्षेत्र की बढ़ती मांग को पूरा करना आसान होगा।

सामूहिक प्रयासों की सफलता

महाट्रांसको ने इस परियोजना की सफलता का श्रेय स्थानीय जनप्रतिनिधियों, राजस्व विभाग, पुलिस और वन विभाग के सहयोग को दिया है। यह परियोजना मुख्यमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री देवेंद्र फडणवीस, ऊर्जा राज्यमंत्री मेघना साकोरे-बोर्डीकर, अतिरिक्त मुख्य सचिव (ऊर्जा) आभा शुक्ला और महाट्रांसको के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक डॉ. संजीव कुमार के नेतृत्व में पूरी हुई। संचालन निदेशक (संचालन) सतीश चव्हाण के मार्गदर्शन में नाशिक के मुख्य अभियंता महेंद्र वाळके और वाशी के मुख्य अभियंता महेश भागवत सहित उनकी टीमों ने इस महत्वपूर्ण परियोजना को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

लंबे समय बाद पूरी हुई परियोजना

यह परियोजना वर्ष 2010 में स्वीकृत हुई थी और 2013 तक पूर्ण करने का लक्ष्य था, लेकिन विभिन्न तकनीकी और प्रशासनिक कारणों से इसमें देरी हुई। अंततः सरकारी एजेंसियों के समन्वित प्रयासों और तेज निर्णय प्रक्रिया के चलते इसे मार्च 2026 तक पूरा कर लिया गया। इस परियोजना का कार्यान्वयन कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा किया गया। परियोजना के तहत कुल 715 ट्रांसमिशन टावर स्थापित किए गए हैं और लाइन की कुल लंबाई लगभग 228 किलोमीटर है। इसमें से नाशिक मंडल में 485 टावर और 304 सर्किट किलोमीटर लाइन का कार्य, जबकि वाशी मंडल में 230 टावर और 152 सर्किट किलोमीटर का कार्य पूरा किया गया।

चुनौतियों पर विजय

परियोजना के क्रियान्वयन में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। पुणे जिले में स्थित विश्वस्तरीय रेडियो टेलीस्कोप (GMRT) क्षेत्र से गुजरने के लिए विशेष अनुमति लेना एक बड़ी चुनौती थी। इसके अलावा भूमि मुआवजा, वन विभाग की मंजूरी, राइट ऑफ वे (RoW) और सामग्री परिवहन जैसी समस्याओं को भी सफलतापूर्वक सुलझाया गया। जंगल क्षेत्रों में सामग्री को मानव श्रम के माध्यम से पहुंचाया गया, जबकि कुछ स्थानों पर हॉटलाइन स्ट्रिंगिंग जैसी उन्नत तकनीक का उपयोग किया गया, जिससे कार्य में तेजी आई।

बेघर लोगों की कैमरे में कैद हुई मुंबई की नई तस्वीर

'माय मुंबई' प्रदर्शनी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भागदौड़ भरी जिंदगी के बीच अक्सर नजरों से छूट जाने वाले शहर के पहलुओं को 'माय मुंबई' छायाचित्र प्रदर्शनी ने एक नई पहचान दी। खास बात यह रही कि प्रदर्शनी में लगी सभी तस्वीरें बेघर नागरिकों द्वारा खींची गई थीं, जिन्होंने पहली बार कैमरा थामा और अपनी संवेदनशील दृष्टि से मुंबई को कैद किया।

35 प्रतिभागियों ने खींचीं 945 अनूठी तस्वीरें

इस अनोखी पहल के तहत 35 बेघर नागरिकों ने Fujifilm Quicksnap डिस्पोज़ेबल कैमरों का इस्तेमाल कर कुल 945 तस्वीरें खींचीं। इन तस्वीरों में शहर के ऐसे भावनात्मक और अनदेखे पहलू सामने आए, जो आमतौर पर लोगों की नजर से दूर रह जाते हैं। मुंबई स्थित 'पहचान' संस्था द्वारा आयोजित यह प्रदर्शनी मुंबई प्रेस क्लब में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस प्रोजेक्ट ने बेघर नागरिकों को न केवल अपनी कला दिखाने का अवसर दिया, बल्कि उनके अनुभवों और नजरिए को समाज के सामने लाने का भी सशक्त मंच प्रदान किया।

मुख्य अतिथियों ने की पहल की सराहना

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी उज्ज्वल उके उपस्थित रहे। उन्होंने इस पहल को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि बेघर नागरिकों द्वारा अपनी कहानी तस्वीरों के जरिए कहना बेहद प्रभावशाली है। वरिष्ठ पत्रकार अनिल गलगली और भाजपा प्रवक्ता संजय ठाकूर ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया। प्रदर्शनी में प्रो. भालचंद्र मुणगेकर, अरुण देव, अमरजीत मिश्रा, एडवोकेट संतोष पांडे सहित कई सामाजिक, शैक्षणिक और मीडिया जगत की हस्तियों ने शिरकत की और इस अनूठे प्रयास की सराहना की।

11-12 अप्रैल को प्रगतिशील लेखक संघ का राष्ट्रीय सेमिनार

सामाजिक न्याय पर होगी व्यापक चर्चा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महात्मा ज्योतिबा फुले की द्विशताब्दी और प्रगतिशील लेखक संघ (PWA) के 90वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में मुंबई में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन के लिए परिसर का नाम "कॉमरेड सज्जाद जहीर साहित्य नगरी" रखा गया है। प्रगतिशील लेखक संघ की स्थापना 9 अप्रैल 1936 को हुई थी। वर्ष 1943 में कॉमरेड एस. ए. डांगे के नेतृत्व में मुंबई के मारवाड़ी मैदान में इसका राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ था। स्वतंत्रता के बाद यह दूसरा बड़ा राष्ट्रीय आयोजन माना जा रहा है।

देशभर से 50 से अधिक प्रतिनिधि होंगे शामिल

इस सेमिनार में देश के 25 राज्यों से 50 से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। ये प्रतिनिधि विश्वविद्यालयों, साहित्यिक संस्थाओं, जन आंदोलनों और मीडिया से जुड़े हैं, जो अपने शोधपत्र प्रस्तुत करेंगे। 11 अप्रैल को शाम 4 बजे उद्घाटन सत्र आयोजित होगा, जिसका उद्घाटन भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव कॉमरेड डी. राजा करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता PWA के राष्ट्रीय अध्यक्ष पी. लक्ष्मीनारायण करेंगे। इस अवसर पर जी. के. ऐनापुरे सहित कई प्रमुख साहित्यकार और विचारक उपस्थित रहेंगे। पहले दिन शाम 6 से 8 बजे तक "महात्मा फुले और उनके समकालीनों का भारतीय साहित्य पर प्रभाव" विषय पर परिसंवाद होगा।

'सामाजिक न्याय में साहित्य की भूमिका' होगा मुख्य विषय

इस सेमिनार का केंद्रीय विषय "सामाजिक न्याय की लड़ाई में साहित्य का महत्व" रखा गया है। कार्यक्रम 11 और 12 अप्रैल 2026 को परळ स्थित राष्ट्रीय मिल मजदूर संघ के महात्मा गांधी सभागार में आयोजित होगा। यह जानकारी मुंबई प्रगतिशील लेखक संघ के सचिव डॉ. श्रीधर पवार ने दी।

ग्राहक सेवा को प्राथमिकता दें: धनंजय औंढेकर

भांडुप में 'संकल्प पूर्ति गुणगौरव समारोह' का आयोजन

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भांडुप परिमंडल में महावितरण द्वारा 'संकल्प पूर्ति गुणगौरव समारोह' का आयोजन जैनम हॉल में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि धनंजय औंढेकर और अध्यक्षता कर रहे मुख्य अभियंता संजय पाटील ने अधिकारियों और कर्मचारियों के उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की।

वाशी मंडल रहा अव्वल, ठाणे और पेण को भी सम्मान

कार्यक्रम में वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने वाले मंडलों, विभागों और उपविभागों को सम्मानित किया गया। वाशी मंडल ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि ठाणे और पेण मंडल क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। विभागीय स्तर पर वाशी, वागळे एस्टेट और गोरेगांव ने भी सराहनीय प्रदर्शन किया।

101% बिल वसूली, डिजिटल सिस्टम पर जोर

मुख्य अभियंता संजय पाटील ने बताया कि भांडुप परिमंडल ने 101 प्रतिशत बिजली बिल वसूली कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। मुख्य अतिथि धनंजय औंढेकर ने नई तकनीकों और डिजिटल सिस्टम के जरिए बिजली चोरी पर नियंत्रण और बेहतर ग्राहक सेवा पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने मानसून से पहले रखरखाव कार्य पूरा कर 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बीएमसी छात्र मोहम्मद नजीब ने छायाचित्र प्रतियोगिता में मारी बाजी

शिक्षा समिति अध्यक्ष राजेश्री शिरवडकर ने विजेताओं को किया सम्मानित

कैमरे की नज़र से 'मेरी मुंबई'

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बृहन्मुंबई महानगरपालिका के शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित छायाचित्र प्रतियोगिता ने छात्रों और प्रतिभागियों को प्रकृति और शहर के विविध पहलुओं को कलात्मक दृष्टि से प्रस्तुत करने का एक बेहतरीन अवसर प्रदान किया है। यह विचार शिक्षा समिति की अध्यक्ष राजेश्री शिरवडकर ने व्यक्त किए। 'मेरी मुंबई' विषय पर आयोजित इस खुली छायाचित्र प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह 9 अप्रैल 2026 को करी रोड स्थित त्रिवेणी संगम महानगरपालिका स्कूल के सभागार में संपन्न हुआ। इस अवसर पर शिक्षा अधिकारी (प्राथमिक) कीर्तीवर्धन किरतकुडवे, उप शिक्षा अधिकारी शमुख्तार शाह, किसन केकरे, कला प्राचार्य दिनकर पवार, परीक्षक छायाचित्रकार मनोज मुसळे सहित शिक्षक, विद्यार्थी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

छात्रों की रचनात्मकता ने जीता मन

समारोह के दौरान विजेता और प्रतिभागियों की चुनिंदा तस्वीरों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। विशेष रूप से स्कूली विद्यार्थियों द्वारा खींची गई तस्वीरों में उनकी रचनात्मक सोच और कलात्मक दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से देखने को मिला, जिसकी सभी ने सराहना की। महानगरपालिका छात्र वर्ग में मोहम्मद नजीब महयुद्दिन ने प्रथम स्थान, आकाश सहानी ने द्वितीय और आयेशा खान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को क्रमशः 2 हजार, 2 हजार और 1500 रुपये की नकद राशि और सम्मानचिन्ह प्रदान किए गए। वहीं मार्तंड पितळे, विष्णू सहानी, अल्फिया अंसारी, अनिकेत वर्मा और सूरज मौर्य को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया।

कर्मचारी और खुला वर्ग भी रहा आकर्षण का केंद्र

महानगरपालिका कर्मचारी वर्ग में अमोल पवार, प्रशांत कांबळे और शाहीन शेख ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं खुले वर्ग में विजयकुमार गोहिल, संजय शुक्ला और मंथन तांबे विजेता रहे। सभी विजेताओं को आकर्षक नकद पुरस्कार और सम्मानचिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राजेश्री शिरवडकर ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं छात्रों में रचनात्मकता को बढ़ावा देती हैं और उन्हें अपने आसपास के वातावरण को नए नजरिए से देखने के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि भविष्य में इस प्रतियोगिता का आयोजन और भी बड़े स्तर पर किया जाए, ताकि अधिक से अधिक प्रतिभाओं को मंच मिल सके।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

प्रियंका जैन
97699 94439

मेष व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। किसी प्रभावशाली वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। प्रसन्नता रहेगी।

वृष पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देंगे।

मिथुन कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बेवजह चिड़चिड़ापन रह सकता है। धनागम होगा। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मित्रों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा। व्यापार ठीक चलेगा।

कर्क कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जल्दबाजी में कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यापार ठीक चलेगा। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा।

सिंह प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। आय में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। निवेशादि लाभदायक रहेंगे। दुष्टजनों से सावधान रहें। हानि पहुंचा सकते हैं।

कन्या रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लंबी हो सकती है। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। जुए, सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। किसी बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन मिल सकता है।

तुला प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।।

वृश्चिक दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। पारिवारिक मित्र व संबंधी अतिथियों के रूप में घर आ सकते हैं। वाणी पर नियंत्रण रखें। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। कारोबार ठीक चलेगा। प्रमाद न करें।

धनु घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। दौड़धूप होगी। विवाद से क्लेश होगा। किसी व्यक्ति के व्यवहार से मन को ठेस पहुंच सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय बनी रहेगी। धनहानि की आशंका बनती है।

मकर किसी व्यक्ति के व्यवहार से लगेगा कि अपमान हुआ है। नई योजना बनेगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन पर विचार हो सकता है। व्यापार ठीक चलेगा। घर-परिवार में सुख-शांति रहेगी। आंखों को चोट व रोग से बचाएं। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

कुंभ ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। भाइयों से मतभेद दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा।

मीन वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। पुराना रोग उभर सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। नकारात्मकता रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दूसरों पर भरोसा न करें। आशंका-कुशंका के चलते कोई बड़ी गलती हो सकती है।

माता लक्ष्मी की कृपा पाने के सरल रहस्य

प्रियंका जैन
97699 94439

हर व्यक्ति अपने जीवन में केवल धन कमाने की इच्छा नहीं रखता, बल्कि वह चाहता है कि उसके पास आने वाला धन टिके भी, बढ़े भी और उसके जीवन में स्थायित्व लाए। कई बार देखा जाता है कि आय अच्छी होने के बावजूद खर्चों का संतुलन बिगड़ जाता है और व्यक्ति आर्थिक अस्थिरता का सामना करता है। यह स्थिति केवल बाहरी कारणों से नहीं, बल्कि हमारे आचरण, ऊर्जा और मानसिकता से भी जुड़ी होती है। शास्त्रों में बताया गया है कि जब धन को केवल साधन नहीं, बल्कि देवी स्वरूप मानकर उसका आदर किया जाता है, तभी उसमें स्थायित्व आता है। आर्थिक स्थिरता पाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आप अपने धन को सम्मान दें। जब भी आपके पास आय आती है, चाहे वह वेतन हो या व्यवसाय से प्राप्त लाभ, उसे सबसे पहले श्रद्धा भाव से माता लक्ष्मी के चरणों से स्पर्श कराएं। यह एक साधारण सा उपाय प्रतीत हो सकता है, लेकिन इसके पीछे गहरा आध्यात्मिक सिद्धांत है। यह क्रिया आपके भीतर धन के प्रति आदर और कृतज्ञता की भावना को जागृत करती है, जिससे धन का प्रवाह सकारात्मक दिशा में बना रहता है। जीवन में दान का विशेष महत्व है। जब आप अपनी आय का एक छोटा सा हिस्सा भी ईश्वर के नाम पर खर्च करते हैं, तो यह केवल दान नहीं होता, बल्कि यह आपके धन को पवित्र करने का माध्यम बनता है। यह नियम आपके भीतर त्याग और संतुलन की भावना को विकसित करता है। दान का अर्थ केवल बड़ी राशि देना नहीं है, बल्कि अपनी सामर्थ्य के अनुसार नियमित रूप से कुछ अंश निकालना ही पर्याप्त है। यही भावना धीरे-धीरे आपके जीवन में समृद्धि के नए द्वार खोलती है।

धन के लेन-देन के समय का भी विशेष महत्व बताया गया है। जब आप बैंक में धन जमा करने जाएं, तो मध्याह्न का समय विशेष रूप से शुभ माना गया है। इस समय वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा अधिक सक्रिय रहती है, जो आपके कार्य को सफलता की ओर ले जाती है। इसके साथ ही, बैंक या किसी भी आर्थिक कार्य के दौरान मानसिक रूप से माता लक्ष्मी का स्मरण करते रहना चाहिए। यह साधना आपके मन को एकाग्र करती है और आपके निर्णयों में स्थिरता लाती है।

जीवन में कई बार अनावश्यक खर्चों से व्यक्ति परेशान रहता है। ऐसे में छोटे-छोटे उपाय बहुत प्रभावी सिद्ध होते हैं। जैसे कि वेतन प्राप्त करने के दिन लाल रंग का रुमाल या पुष्प अपने पास रखना, यह केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि ऊर्जा का संचार करने वाला उपाय है। लाल रंग को शक्ति और समृद्धि का प्रतीक माना गया है, जो आपके धन को सुरक्षित रखने में सहायक होता है। जब आप अपने वेतन को घर लाकर पहले माता के चरणों में रखते हैं, तो यह आपके धन को एक आध्यात्मिक सुरक्षा प्रदान करता है। समाज में सेवा और सम्मान का भाव भी आर्थिक स्थिरता से जुड़ा हुआ है। महीने में एक बार किसी छोटी कन्या को भोजन या उपहार देना केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि यह लक्ष्मी स्वरूपा का सम्मान है। यह कार्य आपके जीवन में शुभता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। इसी प्रकार, गुरुवार के दिन धन जमा करना या महत्वपूर्ण आर्थिक कार्य करना भी शुभ फलदायक माना गया है, क्योंकि यह दिन बृहस्पति ग्रह से संबंधित होता है, जो समृद्धि और ज्ञान का कारक है।

न्यूज ब्रीफ

कानपुर का रठि गांव बना जामताड़ा 12वीं फेल लड़के लगा रहे लाखों का चूना

कानपुर। जामताड़ा की तरह कानपुर के रेउना का रठि गांव पूरे जिले में साइबर ठगी के लिए मशहूर है। करीब एक दशक से यहां युवाओं की एक बड़ी टीम सक्रिय है जो सुबह से ही इस काम में जुट जाती है। चेहरे से साधारण दिखने वाले शातिर बड़े-अधिकारियों और व्यापारियों को बातों में फंसा कर लाखों रुपये पार कर देते हैं। ठगी के खेल में युवाओं ने यहां करोड़ो रुपये कमाये हैं। सब कुछ जानते हुए भी पुलिस की कार्रवाई नगण्य रही है। पहली बार यहां कार्रवाई हुई है। । रेउना के रठि गांव में पिछले एक दशक से मिनी जामताड़ा फलफूल रहा है। इस गांव के 12वीं फेल लड़कों ने अब तक देशभर के 4000 से ज्यादा लोगों को अपनी ठगी का शिकार बनाया। और लाखों रुपए का चूना लगा चुके हैं।

सोमा मुंडा हत्याकांड में देवव्रत नाथ शाहदेव को जमानत

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में खूंटी के चर्चित सोमा मुंडा हत्याकांड मामले में आरोपी देवव्रत नाथ शाहदेव की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की अदालत ने मामले में प्रार्थी और राज्य सरकार दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं। सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुनाते हुए जमानत याचिका को स्वीकार कर लिया। अदालत ने देवव्रत नाथ शाहदेव को जमानत पर रिहा करने का आदेश देते हुए कुछ शर्तें भी निर्धारित की हैं। कोर्ट ने 25,000 रुपये के दो निजी मुचलके जमा करने के साथ आधार कार्ड प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। इसके अलावा प्रार्थी को ट्रायल के दौरान अदालत में सहयोग करने की भी शर्त रखी गई है।

हजारीबाग ट्रेजरी में बड़े घोटाले का खुलासा

हजारीबाग। झारखंड में सरकारी वित्तीय व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। हजारीबाग ट्रेज़री से 15 करोड़ रुपए से अधिक की अवैध निकासी का बड़ा मामला सामने आया है, जिसने प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मचा दिया है। शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि यह गड़बड़ी लंबे समय से योजनाबद्ध तरीके से की जा रही थी, जिसमें कई स्तरों पर मिलीभगत की आशंका है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, फर्जी बिल, गलत दस्तावेज और सिस्टम की खामियों का फायदा उठाकर यह रकम निकाली गई। हैरानी की बात यह है कि इतनी बड़ी निकासी लंबे समय तक बिना किसी शक के जारी रही। मामला तब उजागर हुआ जब वित्तीय ऑडिट में संदिग्ध लेन-देन सामने आए। जांच के दायरे में कई कर्मचारी और अधिकारी आ गए हैं। दस्तावेजों की बारीकी से जांच की जा रही है और संबंधित लोगों से पूछताछ जारी है।

यूपी पुलिस विभाग में प्रशासनिक फेरबदल

12 आईपीएस का तबादला, कई जिलों के एएसपी बदले

एजेंसी । लखनऊ

यूपी सरकार ने पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल कर दिया। शासन ने 12 आईपीएस अफसरों का तबादला कर दिया है। इनमें तीन अपर पुलिस अधीक्षक, चार सहायक पुलिस अधीक्षक और पांच सहायक पुलिस आयुक्त के पद पर तैनात थे। अचानक हुए इस तबादले से विभाग में हड़कंप मचा है। शासन ने जिनका तबादला किया है उनमें सहारनपुर अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सागर जैन को प्रयागराज पुलिस उपायुक्त प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट, गोंडा पूर्वी अपर पुलिस अधीक्षक रहे मनोज कुमार रावत को संभल में अपर पुलिस अधीक्ष दक्षिणी, मेरठ अपर पुलिस अधीक्षक आयुष विक्रम सिंह को बहराइच का अपर पुलिस अधीक्षक नगर बनाया है।

ये भी हुए इधर से उधर

इसी तरह सीतापुर के सहायक पुलिस अधीक्षक विनायक गोपाल भोसले को मेरठ अपर पुलिस अधीक्षक नगर, मेरठ सहायक पुलिस अधीक्षक अंतरिक्ष जैन को बुलंदशहर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, संभल के सहायक पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार को प्रतापगढ़ का अपर पुलिस अधीक्षक (नगर पूर्वी), अलीगढ़ सहायक पुलिस अधीक्षक मयंक पाठक को सहारनपुर में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सहायक पुलिस आयुक्त पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सुश्री लिपि नागयाच अपर पुलिस उपायुक्त वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट, नोएडा पुलिस कमिश्नरेट सहायक पुलिस आयुक्त सुश्री ट्विंकल जैन को लखनऊ अपर पुलिस उपायुक्त पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ, सहायक पुलिस आयुक्त पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज राजकुमार मीणा को अपर पुलिस अधीक्षक (नक्सल) मिर्जापुर, सहायक पुलिस आयुक्त पुलिस कमिश्नेट लखनऊ ऋषभ रुनवाल को सोनभद्र का अपर पुलिस अधीक्षक (नक्सल) मिर्जापुर सहायक पुलिस आयुक्त पुलिस कमिश्नेट लखनऊ ऋषभ रुनवाल को सोनभद्र का अपर पुलिस अधीक्षक (नक्सल), सहायक पुलिस आयुक्त वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट डॉ. ईशान सोनी को जालौन का अपर पुलिस अधीक्षक बनाया है।

एक दिन पहले पांच आईएएस अधिकारियों का हुआ था तबादला

योगी सरकार ने गुरुवार को 12 आईपीएस अधिकारियों के बाद 35 प्रांतीय पुलिस अधिकारियों(पीपीएस) के भी तबादले कर दिए। हटाए गए 35 पीपीएस अधिकारियों में राघवेन्द्र कुमार मिश्र एएसपी यातायात मेरठ को उप सेनानायक, 2वीं वाहिनी एसएसएफ, गोरखपुर, राजेश कुमार श्रीवास्तव केन्द्रीय भण्डार, सीतापुर से यातायात) मेरठ, विवेक त्रिपाठी यातायात आजमगढ़ से केन्द्रीय भण्डार सीतापुर, पंकज कुमार मिश्र बरेली से यातायात आजमगढ़, विजेन्द्र द्विवेदी नगर बदायूँ से उप सेनानायक, 4वीं वाहिनी पीएसी प्रयागराज, अभिषेक कुमार सिंह एटीएस लखनऊ से नगर बदायूँ, शंकर प्रसाद नगर बुलन्दशहर से पुलिस अकादमी मुरादाबाद, पियूष कान्त राय अपर पुलिस उपयुक्त कमिश्नरेट आगरा से चित्रकूट, सत्यपाल सिंह चित्रकूट से पीटीसी मुरादाबाद, आलोक प्रसाद सीतापुर से कानपुर देहात, अरुण कुमार सिंह-II फतेहगढ़ से यातायात निदेशालय लखनऊ, गिरीश कुमार सिंह पुलिस उपाधीक्षक कमिश्नरेट आगरा से फतेहाबाद, राहुल मिढास नगर मैनपुरी से तकनीकी सेवाएं लखनऊ, अभिषेक तिवारी मेरठ से नगर मैनपुरी, महेन्द्र पाल सिंह फतेहपुर से सेक्टर आफिसर सीआईडी लखनऊ, ज्ञान प्रकाश राय अपर पुलिस उपयुक्त कमिश्नरेट गाजियाबाद से सीआईडी सेक्टर लखनऊ में तैनात किए गए हैं।

1 एमएलसी सीट पर उपचुनाव का ऐलान, 12 मई को वोटिंग

एजेंसी । भोजपुर

बिहार विधान परिषद की भोजपुर-बक्सर स्थानीय निकाय सीट पर उपचुनाव का बिगुल बज गया है। इलेक्शन कमीशन ने गुरुवार को इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी। इस सीट पर 12 मई को मतदान कराया जाएगा, जबकि 14 मई को मतों की गिनती होगी। यह सीट 16 नवंबर 2025 से खाली है। पहले इस सीट का प्रतिनिधित्व जदयू नेता राधा चरण साह कर रहे थे। लेकिन विधानसभा चुनाव जीतने के बाद उन्हें यह सीट छोड़नी पड़ी। इस सीट पर पहले जदयू का कब्जा था, जो एनडीए गठबंधन का हिस्सा है। ऐसे में एनडीए एक बार फिर इस सीट को अपने पास बनाए रखने का दावा कर रहा है। वहीं विपक्ष भी इस मौके को भुनाने की तैयारी में है, जिससे मुकाबला दिलचस्प होने की संभावना है। इस सीट पर पहले जदयू का कब्जा था, जो एनडीए गठबंधन का हिस्सा है।

'बिहार का खजाना खाली, सिस्टम पूरी तरह चौपट'

एजेंसी । पटना

राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा है कि राज्य की हालत ठीक नहीं है और सरकार सिर्फ अपनी कुर्सी बचाने में लगी हुई है। तेजस्वी ने दावा किया कि सरकारी खजाना खाली हो चुका है और कई जगह कर्मचारियों को समय पर सैलरी तक नहीं मिल रही है। तेजस्वी यादव ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में मरीजों को सही

इलाज नहीं मिल रहा है। कई जगह दवाओं की कमी है और मरीजों को स्ट्रेचर पर ही इंतजार करना पड़ रहा है। सिस्टम पूरी तरह से फेल हो गया है और आम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

4.7 लाख प्राचीन पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण तेज

एजेंसी । पटना

बिहार में सदियों पुरानी ज्ञान-संपदा को संरक्षित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। राज्य में 75 वर्ष से अधिक पुरानी 4,71,802 पांडुलिपियों की पहचान कर उनके संरक्षण और डिजिटलीकरण का कार्य तेज कर दिया गया है। यह पहल सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।जिलावार आंकड़ों में मधुबनी 3,70,926 पांडुलिपियों के साथ शीर्ष पर है। इसके अलावा पटना, दरभंगा और नालंदा जैसे जिले भी इस सूची में प्रमुख स्थान रखते हैं।

कफ सिरप कांड

सरगना शुभम जायसवाल के खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस

एजेंसी । वाराणसी

वाराणसी के चर्चित कफ सिरप तस्करी मामले में मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। लंबे समय से फरार चल रहे इस आरोपी के खिलाफ इंटरपोल ने अब रेड कॉर्नर नोटिस जारी कर दिया है। इस कदम के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी गिरफ्तारी का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है।

तस्करी नेटवर्क का बड़ा खुलासा

पुलिस जांच में यह बात सामने आई थी कि शुभम जायसवाल एक बड़े संगठित गिरोह का संचालन कर रहा था, जो प्रतिबंधित कोडीनयुक्त कफ सिरप की अवैध सप्लाई में लिप्त था। इस मामले के खुलासे के दौरान भारी मात्रा में नशीली सिरप बरामद की गई थी और कई अन्य आरोपियों को पहले ही सलाखों के पीछे भेजा जा चुका है। शुभम इस पूरे काले कारोबार का मुख्य सूत्रधार माना जा रहा है, जिसके खिलाफ वाराणसी में कई गंभीर प्राथमिकी दर्ज हैं। जांच एजेंसियों को पुख्ता अंदेशा है कि वह वर्तमान में दुबई में छिपा हुआ है, जहाँ से उसे पकड़ने के लिए अब वैश्विक सुरक्षा एजेंसियों का सहयोग लिया जाएगा। शुभम के देश छोड़कर भागने के बाद पुलिस ने कानूनी शिकंजा कसते हुए इंटरपोल से संपर्क किया था। रेड कॉर्नर नोटिस जारी होने के बाद अब वाराणसी पुलिस और भारतीय जांच एजेंसियां दुबई की स्थानीय एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर रही हैं। अधिकारियों का मानना है कि उसे जल्द ही हिरासत में लेकर भारत लाने की प्रत्यर्पण प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

प्रत्यर्पण और गिरफ्तारी की तैयारी

ताकि तस्करी के इस बड़े नेटवर्क की अन्य परतों को भी पूरी तरह से बेनकाब किया जा सके। एडीसीपी वैभव बांगर ने बताया, सभी चार्जशीट में महत्वपूर्ण दस्तावेज, ठोस साक्ष्य और गवाहों के बयान के साथ वित्तीय लेन-देन भी शामिल है। पुलिस ने चार्जशीट को कोर्ट में दाखिल कर दिया है। शुभम जयसवाल को कोर्ट ने भगोड़ा भी घोषित कर दिया है। पुलिस अब शुभम समेत आरोपियों के रिश्तेदारों के अकाउंट भी खंगालने शुरू कर दिए हैं।

गैस किल्लत पर मंत्री इरफान अंसारी हुए लाल

अधिकारियों को 10 दिन का अल्टीमेटम

एजेंसी । रांची

झारखंड में एलपीजी गैस की आपूर्ति में आ रही बाधाओं और बढ़ती पेंडेंसी को लेकर राज्य के खाद्य आपूर्ति मंत्री इरफान अंसारी ने बेहद सख्त रुख अख्तियार किया है। गुरुवार को विभागीय समीक्षा के दौरान उन्होंने गैस एजेंसियों की कार्यशैली पर गहरी नाराजगी जताते हुए निर्देश दिया कि लंबित डिलीवरी को युद्धस्तर पर समाप्त किया जाए।

शादी और धार्मिक आयोजनों के लिए 'स्पेशल' प्राथमिकता

वर्तमान में वैवाहिक सीजन और धार्मिक अनुष्ठानों की अधिकता को देखते हुए मंत्री इरफान अंसारी ने विशेष दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे महत्वपूर्ण अवसरों पर परिवारों को गैस के लिए भटकना न पड़े, इसके लिए एजेंसियां प्राथमिकता के आधार पर सिलेंडर उपलब्ध कराएं।

कालाबाजारी और सड़क पर डिलीवरी के विरुद्ध 'जीरो टॉलरेंस'

आपूर्ति, मांग और वितरण के बीच के अंतर को कम करने के लिए जिला स्तर पर नियमित समीक्षा करने का भी आदेश दिया गया है। उन्होंने साफ किया कि वितरण प्रणाली में किसी भी प्रकार की शिथिलता पाए जाने पर संबंधित जिला आपूर्ति अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। मंत्री ने राज्य में एलपीजी सिलेंडरों की अवैध बिक्री और कालाबाजारी की खबरों पर कड़ा संज्ञान लिया है। उन्होंने एजेंसियों को चेतावनी देते हुए कहा कि गैस सिलेंडरों की डिलीवरी केवल उपभोक्ताओं के घर के पते पर ही होनी चाहिए। यदि कहीं भी मुख्य सड़क या सार्वजनिक स्थलों पर अवैध तरीके से सिलेंडरों का वितरण होता पाया गया, तो संबंधित एजेंसी का लाइसेंस रद्द करने के साथ-साथ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अनावश्यक भंडारण (Hoarding) करने वाले बिचौलियों के खिलाफ भी छापेमारी के निर्देश दिए गए हैं।

व्यापार जगत

टीसीएस को चौथी तिमाही में 13,718 करोड़ का मुनाफा

सालाना आधार पर प्रॉफिट 12% बढ़ा

एजेंसी । मुंबई

देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने गुरुवार को चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए। कंपनी का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 12% बढ़कर 13,718 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल इसी तिमाही में यह मुनाफा 12,224 करोड़ रुपए था। मुनाफे के साथ कंपनी के रेवेन्यू में भी बढ़त देखी गई। इस तिमाही में ऑपरेशनल रेवेन्यू 10% बढ़कर 70,698 करोड़ रुपए रहा। इस मजबूत ग्रोथ के पीछे 12 अरब डॉलर (करीब 1 लाख करोड़ रुपए) की तीन मेगा डील्स रहीं।

31 रुपए प्रति शेयर लाभांश देगी टीसीएस

कंपनी ने अपने शेयरधारकों को प्रति शेयर पर 31 रुपए का लाभांश यानी डिविडेंड देने का ऐलान किया है। कंपनियां अपने मुनाफे का कुछ हिस्सा शेयर होल्डर्स को भी देती हैं, इसे ही लाभांश कहा जाता है। टीसीएस के CEO और MD के. कृतिवासन ने नतीजों पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि यह लगातार तीसरी तिमाही है जब कंपनी ने ग्रोथ दर्ज की है। उन्होंने कहा कि हमारी 'फाइव पिलर स्ट्रेटेजी' और AI पर फोकस काम कर रहा है। राहत की बात यह है कि यह ग्रोथ किसी एक सेक्टर तक सीमित नहीं है।

1 साल में 20% गिरा टीसीएस का शेयर

बल्कि दुनिया के बड़े बाजारों और लगभग सभी इंडस्ट्रीज में देखने को मिली है।टीसीएस का शेयर 9 अप्रैल को 1.20% यानी 30.80 रुपए चढ़कर 2,590 रुपए पर बंद हुआ। बीते एक महीने में कंपनी का शेयर 2.48% चढ़ा है।एक साल में करीब 20% गिरा है। कंपनी की मार्केट वैल्यू 11.71 लाख करोड़ रुपए है। कंपनी ने एंटरप्राइज ट्रांसफॉर्मेशन, डिजिटल इंजीनियरिंग और क्लाउड मॉडर्नाइजेशन जैसे क्षेत्रों में मजबूत डील्स हासिल किए हैं। कंपनी ने माना कि वैश्विक आर्थिक चुनौतियां बनी हुई हैं, लेकिन ग्राहकों का टेक्नोलॉजी निवेश पर भरोसा मजबूत है।

संजय खन्ना ने बीपीसीएल के चेयरमैन एवं सीएमडी का पदभार संभाला

एजेंसी । नई दिल्ली

संजय खन्ना ने गुरुवार को सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के चेयरमैन और एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का पदभार संभाल लिया है। वे 31 मई, 2029 को अपनी सेवानिवृत्ति तक इस पद पर बने रहेंगे। ऊर्जा क्षेत्र के अनुभवी अधिकारी संजय खन्ना को कंपनी का चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) नियुक्त किया गया है। संजय खन्ना पूर्व सीएमडी जी. कृष्णकुमार के 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त होने के बाद से ही अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे हैं। इससे पहले वे कंपनी में निदेशक (रिफाइनरी) के पद पर कार्यरत थे।

आईडीएफसी बैंक में 550 करोड़ रुपये के गबन मामले में एफआईआर

एजेंसी । मुंबई

चंडीगढ़ स्थित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में हरियाणा सरकार के खातों से कथित तौर पर 550 करोड़ रुपये के गबन के मामले में सीबीआई ने एफआईआर दायर कर ली है। सीबीआई की ओर से मामले की जांच अपने हाथ में लेने के बाद आधिकारिक सूत्रों ने इसकी पुष्टि की। हरियाणा सरकार ने जांच केंद्रीय जांच एजेंसी को सौंप दी थी। उन्होंने बताया कि कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने बुधवार को यह मामला केंद्रीय जांच एजेंसी को भेजा था। सीबीआई ने उस मामले को अपने हाथ में लेते हुए एफआईआर दर्ज की।

निजी खातों में सरकारी धन ट्रांसफर का आरोप

हरियाणा के सतर्कता विभाग ने मामले को संबंधित एजेंसी को सौंपते हुए कहा, यह मामला धोखाधड़ीपूर्ण बैंकिंग गतिविधियों और फर्जी लेनदेन से संबंधित है। इस धोखाधड़ी को कथित तौर पर सरकारी धन को स्वास्तिक देश प्रोजेक्ट, एसआरआर प्लानिंग गुरुस प्राइवेट लिमिटेड, कैप को फिनटेक सर्विसेज, आरएस ट्रेडर्स और अन्य संबंधित फर्मों/व्यक्तियों सहित फर्जी संस्थाओं के खातों में स्थानांतरित करने के लिए व्यवस्थित तरीके से अंजाम दिया गया था। इस गड़बड़ी से सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ।

आईएमएफ ने श्रीलंका के साथ स्टाफ स्तर का किया समझौता

एजेंसी । मुंबई

श्रीलंका और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने द्वीपीय राष्ट्र के सुधार कार्यक्रम की संयुक्त पांचवीं और छठी समीक्षा को पूरा करने के लिए आर्थिक नीतियों पर कर्मचारी-स्तरीय समझौते पर सहमति दी है। आईएमएफ ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की एक टीम 26 मार्च से 9 अप्रैल तक श्रीलंका में थी, ताकि वैश्विक ऋणदाता की विस्तारित निधि सुविधा (ईएफएफ) द्वारा समर्थित श्रीलंका के सुधार कार्यक्रम की संयुक्त पांचवीं और छठी समीक्षा

की जा सके। दोनों किस्तों के जरिए 2023 में 2.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर के राहत पैकेज से 70 करोड़ डॉलर जारी किए जाएंगे। आईएमएफ ने कहा कि श्रीलंकाई अधिकारियों की ओर से लागू किए जा रहे आर्थिक सुधारों ने देश की रिकवरी में मदद की है, इससे विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि हुई है और वास्तविक जीडीपी वृद्धि और राजस्व जुटाने दोनों ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है।

सोना वायदा में तेजी, चांदी में गिरावट क्रूड ऑयल में जोरदार उछाल

एजेंसी । मुंबई

देश के प्रमुख कमोडिटी एक्सचेंज मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर गुरुवार को कारोबार में मजबूती देखने को मिली। कुल मिलाकर 1,33,282.51 करोड़ रुपये का टर्नओवर दर्ज किया गया, जिसमें कमोडिटी वायदा, ऑप्शंस और इंडेक्स फ्यूचर्स शामिल रहे। इसमें से 21,286.64 करोड़ रुपये का कारोबार वायदा में, जबकि 1,11,995.43 करोड़ रुपये का नॉशनल टर्नओवर ऑप्शंस में रहा।

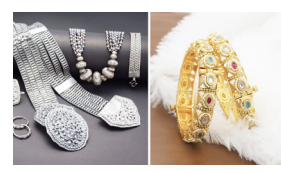

सोने में मजबूती

कीमती धातुओं में सोना वायदा में मजबूती दर्ज की गई। एमसीएक्स सोना जून वायदा 712 रुपये या 0.47 फीसदी बढ़कर 1,52,488 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। सोना-मिनी और गोल्ड-टेन जैसे अन्य अनुबंधों में भी 0.3 से 0.5 फीसदी तक की तेजी देखने को मिली।

चांदी वायदा में गिरावट का रुख

इसके विपरीत चांदी वायदा में नरमी देखने को मिली। चांदी मई वायदा 1,435 रुपये या 0.6 फीसदी गिरकर 2,38,483 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया। चांदी-मिनी और माइक्रो अनुबंधों में भी 0.6 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई, जो मुनाफावसूली का संकेत मानी जा रही है। क्रूड ऑयल में 3.83 फीसदी की तेजी ऊर्जा खंड में क्रूड ऑयल वायदा में जोरदार उछाल दर्ज हुआ। एमसीएक्स क्रूड ऑयल अप्रैल वायदा 339 रुपये या 3.83 फीसदी बढ़कर 9,200 रुपये प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं नैचुरल गैस वायदा भी 0.67 फीसदी की बढ़त के साथ 256 रुपये प्रति एमएमबीटीयू पर कारोबार करता नजर आया। बेस मेटल्स में मिश्रित रुख देखने को मिला। तांबा, जस्ता, एल्यूमीनियम और सीसा वायदा में हल्की गिरावट दर्ज की गई। तांबा 0.31 फीसदी गिरकर 1,184 रुपये प्रति किलोग्राम पर रहा, जबकि अन्य धातुओं में भी मामूली कमजोरी बनी रही।

सेंसेक्स 931 अंक गिरकर 76,632 पर बंद

निफ्टी भी 222 अंक नीचे 23,775 पर आया

एजेंसी । मुंबई

शेयर बाजार में आज यानी गुरुवार को गिरावट रही। सेंसेक्स 931 अंक (1.20%) नीचे 76,632 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 222 अंक (0.93%) गिरकर 23,775 पर आ गया। आज ऑटो और बैंकिंग शेयरों में बिकवाली रही। मेटल और फार्मा शेयरों में तेजी रही। अमेरिका और ईरान के बीच 2 हफ्ते के सीजफायर के ऐलान के बाद कल 8 अप्रैल को शेयर बाजार में तेजी रही थी।

बाजार में गिरावट की 3 वजहें

- लेबनान पर हमले के बाद ईरान-अमेरिका के बीच लंबे समय तक सीजफायर रहने की उम्मीदें कम हो गई है। इससे निवेशकों में डर बैठ गया है।
- हॉर्मुज स्ट्रेट से तेल टैंकरों की आवाजाही अभी भी शुरू नहीं हो पाई है। इससे तेल की कीमतों में उछाल आया है बाजार में गिरावट।

राजस्थान-बेंगलुरु में से किसका थमेगा विजयरथ

रॉयल्स और चैलेंजर्स के बीच आज होगी रोमांचक जंग

एजेंसी। गुवाहाटी

अंकतालिका में शीर्ष पर चल रही राजस्थान रॉयल्स औ तीसरे नंबर की गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच शुक्रवार को टक्कर होगी। दोनों अब तक अजेय हैं। ऐसे में एक का विजय रथ रुकना तय है। यह मुकाबला सिर्फ दो अजेय टीमों का नहीं, बल्कि दो अलग बल्लेबाजी शैली और गेंदबाजी रणनीतियों का भी है। एक टीम पावरप्ले में धमाल मचाती है, दूसरी तो शुरू में संभलकर खेलने के बाद अंतिम ओवरों में फिनिश करने में माहिर है। इन दोनों टीमों में रणनीति, संयम और पावर-हिटिंग-तीनों की असली परीक्षा है।

आमने-सामने

कुल मैच	: 34
बेंगलुरु जीता	: 17
राजस्थान जीता	: 14
बेनतीजा	: 3

सूर्यवंशी-यशस्वी की जोड़ी

राजस्थान की सबसे बड़ी ताकत उसकी आक्रामक ओपनिंग जोड़ी है। वैभव सूर्यवंशी ने बेखौफ बल्लेबाजी से नई पहचान बनाई है। वह यशस्वी जायसवाल के साथ मिलकर टीम को धमाकेदार शुरुआत दिला रहे हैं। पिछले मैच में उन्होंने बुमराह को पहली ही गेंद पर छक्का जड़कर अपने बेखौफ खेल का शानदार प्रदर्शन किया था। यशस्वी भी अपने आक्रामक खेल से गेंदबाजों की लय बिगाड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे। कप्तान रेयान पराग के साथ विकेटकीपर बल्लेबाज भी अपनी भूमिका बखूबी निभा रहे हैं। मुंबई के खिलाफ बारिश से प्रभावित 11 ओवर के मैच में राजस्थान ने 13.6 की रन रेट से 150 रन टांग दिए थे। राजस्थान की गेंदबाजी भी दमदार रही है। नई गेंद से आर्चर की गति और उछाल। तो स्पिन में रवि बिश्नोई (7 विकेट, 9.11 इकोनॉमी।) की गुगली पहेली बनी हुई है। वह सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में शीर्ष पर हैं। उन्हें जडेजा और संदीप का भी अच्छा सात मिल रहा है। दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर भी अपनी स्विंग से बल्लेबाजों को परेशान कर रहे हैं।

नंबर गेम

02 मुकाबले पिछले साल दोनों ने खेले थे जिसमें बेंगलुरु ने राजस्थान को मात दी थी

68 रन दूर हैं बेंगलुरु के टिम डेविड आईपीएल में एक हजार रन पूरे करने से

बेंगलुरु का संतुलित शीर्षक्रम

बेंगलुरु की टीम भी शानदार फॉर्म में है। दो साल पहले टी-20 क्रिकेट से संन्यास लेने के बावजूद स्टार बल्लेबाज कोहली के प्रदर्शन में कमी नहीं आई है। वह पहले से और ज्यादा खूंखार हो गए हैं। उनके मार्गदर्शन में बेंगलुरु ने संतुलित शीर्षक्रम तैयार कर लिया है। पिछले मैच से सॉल्ट भी लय लौट में आए हैं। तीसरे नंबर पर उतर रहे पडिक्कल ने घरेलू क्रिकेट का अपना फॉर्म कायम रखते हुए आक्रामकता के साथ बल्लेबाजी की है। आईपीएल में अपने पदार्पण सत्र में बेंगलुरु लिए 473 रन बनाने वाले पडिक्कल बाद में राजस्थान और के साथ उस सफलता को दोहरा नहीं सके थे। पिछले सत्र में वह बेंगलुरु में लौटे और पहली बार उसे खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इस सत्र में भी वह लगातार दो अर्धशतक जड़ चुके हैं। पाटीदार अपनी भूमिका को बखूबी निभा रहे हैं। वह बल्लेबाजी में भी अपना योगदान दे रहे हैं।

मिलर की मंशा में कमी नहीं निकाल सकते : गावस्कर

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल के रोमांचक मैच में एक रन लेने से मना करने वाले दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज डेविड मिलर का बचाव करते हुए कहा कि उनकी मंशा में कमी नहीं निकाल सकते।गावस्कर ने 'जियो हाटस्टार' से कहा, डेविड मिलर को खुद पर भरोसा था कि वह मैच फिनिश करेगा, इसलिए उसकी मंशा में कमी नहीं निकाल सकते। पर प्रसिद्ध कृष्णा ने एक शानदार धीमा बाउंसर डाला जिसे वह खेल नहीं सका। दबाव के हालात में ऐसा हो जाता है। गावस्कर ने कहा, ऐसे समय हालात को लेकर जागरूक रहना जरूरी है। मुझे इससे रवि शास्त्री का वह एक रन याद आता है जो 1986 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसने सही समय पर लेकर स्कोर बराबर कर दिया था।चेन्नई में उस मैच में भारत 348 रन के लक्ष्य का पीछा कर रहा था। शास्त्री ने नाबाद 48 रन बनाए और सही समय पर एक रन लेकर भारत को 347 रन तक पहुंचाया जबकि आखिरी गेंद पर मनिंदर सिंह आउट हो गए। वह मैच ड्रॉ रहा था।

प्रीति, मीनाक्षी, प्रिया और अरुंधति ने जड़े स्वर्णिम पंच

04 स्वर्ण सहित कुल दस पदक जीत चुकीं भारतीय महिलाएं

16 पदक भारतीय मुक्केबाज पक्के कर चुके हैं टूर्नामेंट में

एजेंसी। उलानबटार

मौजूदा विश्व चैंपियन मीनाक्षी हुड्डा और प्रीति पवार की अगुआई में भारत की चार महिला मुक्केबाजों ने एशियाई चैंपियनशिप में वर्चस्व साबित करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिए। भारतीय महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदकों के साथ कुल 10 पदक जीते।मीनाक्षी (48 किलोग्राम) और एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति (54 किलोग्राम) के साथ प्रिया घंघास (60 किलोग्राम) और विश्व मुक्केबाजी कप की स्वर्ण पदक विजेता अरुंधति चौधरी (70 किलोग्राम) ने शीर्ष स्थान हासिल किया।विश्वनाथ सुरेश (48 किलोग्राम) और सचिन सिवाच (60 किलोग्राम) शुक्रवार को पुरुष वर्ग में अपने-अपने फाइनल मुकाबले खेलेंगे। इन भार वर्गों में केवल तीन प्रतियोगी ही थे।

लंबोरिया फाइनल में हारीं

भारत को हालांकि सबसे बड़ा झटका 57 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में लगा, जहां मौजूदा विश्व चैंपियन जैस्मीन लंबोरिया को थाईलैंड की दो बार की विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता पुनरावी रुएनरोस से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की ही अल्फिया पठान (80 किलोग्राम से अधिक) को भी रजत पदक से संतोष करना पड़ा। चैंपियनशिप में अपने एकमात्र मुकाबले में उन्हें कजाखस्तान की दीना इस्लम्बेकोवा से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा।कुछ भार वर्गों में हालांकि सीमित भागीदारी के कारण लवलीना बोरगोहेन (75 किलोग्राम), पूजा रानी (80 किलोग्राम) और अल्फिया जैसी खिलाड़ियों को सिर्फ भाग लेने के लिए ही पदक मिल गए।

एकतरफा जीत

मीनाक्षी ने मंगोलिया की नोमुंडारी एन्ख-अमगलान को 5-0 से हराकर दिन का पहला स्वर्ण पदक जीत शानदार शुरुआत की। प्रीति ने भी दमदार प्रदर्शन करते हुए तीन बार की विश्व चैंपियन और टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता हुआंग शियाओ-वेन को 5-0 से शिकस्त दी।प्रिया ने उत्तर कोरिया की वॉन उन-ग्योंग को 3-0 से पराजित किया जबकि अरुंधति ने फाइनल में कजाखस्तान की बकित सेइडिश को 4-1 से हराकर मात दी। इससे पहले दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (54 किलोग्राम), अंकुशिता बोरो (65 किलोग्राम), लवलीना (75 किलोग्राम) और पूजा (80 किलोग्राम) को सेमीफाइनल में हारकर कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था।

भारत के खिलाफ टेस्ट से बाहर रह सकते हैं राशिद

एजेंसी। नई दिल्ली

कमर के ऑपरेशन के बाद टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने की डॉक्टर की सलाह के बाद अफगानिस्तान के दिग्गज स्पिनर राशिद खान जून में भारत के खिलाफ मुल्लांपुर में होने वाले टेस्ट मैच से बाहर रह सकते हैं। 27 वर्ष के राशिद ने 2023 वनडे विश्व कप के बाद कमर की सर्जरी कराई थी। राशिद ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बुधवार को गुजरात टाइटंस की एक रन से जीत के बाद कहा, डाक्टर ने मुझे सबसे पहले टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने के लिए ही कहा था।

इसके बावजूद मैंने जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट खेला। डॉक्टर ने कहा कि अगर क्रिकेट नहीं खेलना चाहते हो तो टेस्ट क्रिकेट खेलते रहो। हालांकि वनडे में मुझे मजा आता है और मैं अफगानिस्तान के लिए लंबे समय तक खेल सकता हूं। लेकिन एहतियात बरतनी होगी कि अधिक बोझ नहीं लूं।भारत के खिलाफ टेस्ट के बारे में उन्होंने कहा, मैं अब विश्व कप की तैयारी करूंगा। अगर उस टेस्ट में कमर में फिर तकलीफ हो गई तो? मैं सौ टेस्ट नहीं खेल सकता। अगर मैं साल में एक टेस्ट खेल रहा हूं तो सौ साल तक तो खेलूंगा नहीं। लिहाजा टेस्ट क्रिकेट में कोई लक्ष्य नहीं।

गिल पर धीमी ओवरगति के लिए 12 लाख जुर्माना

एजेंसी। नई दिल्ली

गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में धीमी ओवरगति के लिए 12 लाख रुपये जुर्माना लगाया गया है। गुजरात ने बुधवार को रोमांचक मुकाबला एक रन से जीतकर अपना खाता खोला। आईपीएल की आचार संहिता की धारा 2.22 के तहत उनकी टीम का यह पहला अपराध था जिसके लिए गिल पर यह जुर्माना लगाया गया है। मैच में गिल सहित गुजरात के तीन खिलाड़ियों ने अर्धशतक जड़े।

इंपैक्ट सब नियम युवाओं को मिल रहे खेलने के मौके : प्रभसिमरन

एजेंसी। नई दिल्ली

पंजाब किंग्स के स्टार बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने आईपीएल के 'इंपैक्ट सब' नियम का पुरजोर समर्थन किया है। जहाँ कई क्रिकेट विशेषज्ञ इस नियम की आलोचना कर रहे हैं, वहीं प्रभसिमरन इसे युवा खिलाड़ियों के लिए एक 'लाइफलाइन' मानते हैं। उनका कहना है कि इस नियम की वजह से टीम में एक अतिरिक्त बल्लेबाज या गेंदबाज जुड़ जाता है, जिससे खिलाड़ियों को मैदान पर अधिक जोखिम लेने की आजादी मिलती है और नए टैलेंट को अपनी चमक बिखेरने का सुनहरा अवसर प्राप्त होता है।

युवा खिलाड़ियों के लिए सुनहरा अवसर

प्रभसिमरन ने इस बात पर जोर दिया कि यह नियम खेल में रणनीतिक बदलाव लाता है, जो विशेष रूप से करियर की शुरुआत कर रहे खिलाड़ियों के लिए अनमोल है। विशेषज्ञों के इस तर्क पर कि यह नियम ऑलराउंडर्स की उपयोगिता कम करता है, उन्होंने सकारात्मक पक्ष रखते हुए कहा कि युवाओं को मिलने वाले अतिरिक्त मौकों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उनके अनुसार, अधिक खिलाड़ियों के खेलने से भारतीय क्रिकेट का बेंच स्ट्रेंथ और मजबूत हो रहा है।

धोनी की विकेटकीपिंग से प्रेरणा

अपनी विकेटकीपिंग शैली के बारे में बात करते हुए प्रभसिमरन ने दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी को अपना आदर्श बताया। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि वे किसी की नकल नहीं करते और अपने सीनियर्स (जैसे केएल राहुल, पंत और संजू सैमसन) का सम्मान करते हैं, लेकिन विकेटों के पीछे फुर्ती के मामले में वेधोनी के पदचिह्नों पर चलना चाहते हैं। उन्होंने विशेष रूप से धोनी के 'क्विक हैंड मूवमेंट' की तारीफ की और कहा कि वे अपनी विकेटकीपिंग में वैसी ही तेजी लाने का प्रयास करते हैं।

बॉलीवुड

शिल्पा शेट्टी की 'कोक' से छुट्टी

अमेजन प्राइम वीडियो की आगामी वेब सीरीज कोक को लेकर बड़ा बदलाव सामने आया है। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी अब इस प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं रहेंगी। उनकी जगह राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शेफाली शाह को कास्ट किया गया है, जो अब जैकी श्रॉफ के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। इस बदलाव के बाद सीरीज एक बार फिर चर्चा में आ गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शिल्पा शेट्टी को व्यस्त शेड्यूल और डेट्स की समस्या के चलते इस प्रोजेक्ट से अलग होना पड़ा। दरअसल, वह 'कोक' के जरिए करीब 26 साल बाद जैकी श्रॉफ के साथ स्क्रीन शेयर करने वाली थीं, जिसे लेकर फैंस काफी उत्साहित थे। हालांकि, पहले से तय प्रतिबद्धताओं के कारण वह इस सीरीज का हिस्सा नहीं बन सकीं। गौरतलब है कि शिल्पा और जैकी आखिरी बार साल 2000 में रिलीज हुई फिल्म जंग में साथ नजर आए थे। अब इस सीरीज में शेफाली शाह की एंट्री से कहानी को नई मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। शुजात सौदागर और विकेश भूटानी के प्रोडक्शन में बनने वाली यह सीरीज जल्द ही फ्लोर पर जाएगी, जिसमें जैकी और शेफाली की नई जोड़ी दर्शकों को देखने को मिलेगी।

नई शुरुआत जैसा एहसास : तमन्ना

तमन्ना भाटिया ने अपने दो दशक से ज्यादा लंबे फिल्मी सफर पर खुशी जताते हुए कहा है कि करियर के 21वें साल में भी उन्हें नई शुरुआत जैसा उत्साह महसूस हो रहा है। हाल ही में दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में मीडिया से बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने कहा कि बहुत कम कलाकारों, खासकर महिला कलाकारों को अपने करियर के इस पड़ाव पर ऐसे मौके मिलते हैं। तमन्ना ने दर्शकों के मिल रहे प्यार को लेकर भी आभार जताया। उन्होंने कहा कि साउथ भारतीय सिनेमा में उन्हें हमेशा सराहना मिली, लेकिन अब देश के अन्य हिस्सों से मिल रही प्रतिक्रिया उनके लिए बेहद खास और प्रेरणादायक है। अभिनेत्री ने इसे एक ताजगी भरा अनुभव बताते हुए कहा कि वह लगातार सोचती हैं कि दर्शकों के इस प्यार को कैसे लौटाया जाए। वर्कफ्रंट की बात करें तो तमन्ना जल्द ही वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा मुख्य भूमिका में होंगे। दीपक मिश्रा के निर्देशन में बनी यह फिल्म 28 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अभिनेत्री इस फिल्म को अपने पैन-इंडिया करियर के लिए एक अहम पड़ाव मान रही हैं।

अक्षय कुमार ने सुनाई स्कूल की कहानी

अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों अपनी फिल्म 'भूत बंगला' और गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' को लेकर चर्चा में हैं। इसी शो के दौरान अक्षय ने अपनी स्कूली जिंदगी से जुड़ा एक दिलचस्प खुलासा किया, जिसने दर्शकों को चौंका दिया। उन्होंने बताया कि किंडरगार्डन से लेकर 9वीं कक्षा तक वह तीन बार फेल हो चुके हैं। अक्षय ने अपने स्कूल के दिनों को याद करते हुए कहा कि वह पढ़ाई में ज्यादा अच्छे नहीं थे और अक्सर बैकबेंचर हुआ करते थे। शो में मौजूद अपने बचपन के दोस्त जिनेश के साथ बातचीत में उन्होंने हंसते हुए कहा कि दोनों ने साथ में कई बार फेल होने का अनुभव शेयर किया है। इस दौरान मजाकिया अंदाज में जिनेश ने कहा कि वह अक्षय के साथ समय बिताने की वजह से फेल होते थे, जिस पर सेट पर मौजूद सभी लोग हंस पड़े। अभिनेता ने अपने दोस्त के बचपन के शौक का भी जिक्र किया और बताया कि वे लोग शहर में साइकिल चलाकर घूमते थे। बातचीत के दौरान दोनों ने पुराने दिनों की कई यादें शेयर कीं। अक्षय कुमार अक्सर अपने दोस्तों से जुड़े रहते हैं और इससे पहले भी वह अपने बचपन के दोस्तों को कॉमेडी शो में बुला चुके हैं, जहां उन्होंने इसी तरह के किस्से शेयर किए थे।

वामिका गब्बी के सपोर्ट में उतरे राजपाल यादव

वामिका गब्बी हाल ही में फिल्म 'भूत बंगला' के प्रमोशन के दौरान सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का शिकार हो गईं। वायरल वीडियो में दावा किया गया कि उन्होंने वरिष्ठ अभिनेता राजपाल यादव को नजरअंदाज किया। हालांकि अब खुद राजपाल यादव ने सामने आकर इन सभी आरोपों को खारिज कर दिया है। राजपाल यादव ने इन वायरल क्लिप्स को लेकर कहा कि यह महज कैमरा एंगल का भ्रम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शूट के दौरान सभी कलाकार एक-दूसरे के साथ सहज और दोस्ताना माहौल में काम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कई बार कैमरे की पोजिशन ऐसी होती है, जिससे दृश्य का मतलब बदलकर पेश हो जाता है। अभिनेता ने यह भी बताया कि अक्षय कुमार के साथ वायरल हुए एक वीडियो में वे सिर्फ एक सीन सेट कर रहे थे, जिसे गलत तरीके से समझ लिया गया। अभिनेता ने अपने 25 साल के करियर का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने कभी खुद को उपेक्षित महसूस नहीं किया। उन्होंने कहा कि पूरी स्टार कास्ट के बीच कोई औपचारिकता नहीं है और सभी एक परिवार की तरह काम करते हैं। दरअसल, सोशल मीडिया पर दो वीडियो वायरल हुए थे, जिनमें वामिका को एकता कपूर की ओर बढ़ते और मिथिला पालकर के साथ खड़े होने के दौरान हिचकिचाते हुए दिखाया गया। हालांकि बाद में यह एक मजाकिया पल निकला, लेकिन इंटरनेट पर इसे गलत तरीके से पेश कर विवाद बना दिया गया।

'एनटीआर नील' को लेकर अफवाहों पर मेकर्स ने लगाया विराम

जूनियर एनटीआर और प्रशांत नील की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'एनटीआर नील' को लेकर चल रही अफवाहों पर मेकर्स ने आखिरकार चुप्पी तोड़ दी है। हाल ही में फिल्म के लुक और शूटिंग शेड्यूल में बदलाव की खबरें सामने आई थीं, जिन्हें निर्माताओं ने पूरी तरह खारिज कर दिया है। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर स्पष्ट किया कि फिल्म के शेड्यूल या लुक में किसी तरह का कोई बदलाव नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि फिल्म की तैयारियां तय योजना के अनुसार सुचारू रूप से चल रही हैं और यह केवल एक रूटीन ब्रेक है। साथ ही दर्शकों से अपील की गई है कि वे बिना पुष्टि वाली खबरों पर भरोसा न करें और आधिकारिक अपडेट का ही इंतजार करें। 'एनटीआर नील' को प्रशांत नील की अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना माना जा रहा है। केजीएफ और सालार जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के बाद निर्देशक एक बार फिर बड़े पैमाने पर एक्शन से भरपूर सिनेमाई अनुभव पेश करने की तैयारी में हैं। जूनियर एनटीआर और प्रशांत नील का यह पहला सहयोग है, जिसने फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्सुकता पैदा कर दी है। 'एनटीआर नील' को एक भव्य पैन-इंडिया फिल्म के रूप में तैयार किया जा रहा है, जिससे बॉक्स ऑफिस पर बड़े रिकॉर्ड्स की उम्मीद की जा रही है।

सबरीमाला मामले पर 'सुप्रीम' सुनवाई जारी

एजेंसी । नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) की नौ जजों की संविधान पीठ ने धार्मिक स्वतंत्रता और सामाजिक समानता के बीच संतुलन को लेकर एक ऐतिहासिक दिशा-निर्देश तय करने की ओर कदम बढ़ाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि 'विशिष्टता' के नाम पर भेदभाव हिंदू धर्म की जड़ों को कमजोर करेगा।

क्या है पूरा मामला?

सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी केरल के प्रसिद्ध सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर लगे प्रतिबंध और अन्य धार्मिक स्थलों पर होने वाले भेदभाव से जुड़ी याचिकाओं की सुनवाई के दौरान आई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ जजों की पीठ इस बात की जांच कर रही है कि धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार किस हद तक समानता के अधिकार के साथ मेल खाता है।

- किसी को मंदिर में प्रवेश से रोकना हिंदू धर्म को बांटने जैसाः सुप्रीम कोर्ट
- नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष है मामला
- सबरीमाला मंदिर में 2018 में महिलाओं को प्रवेश की अनुमति मिली थी
- फैसले की समीक्षा पर जिरह, 22 अप्रैल तक पूरी होने की उम्मीद

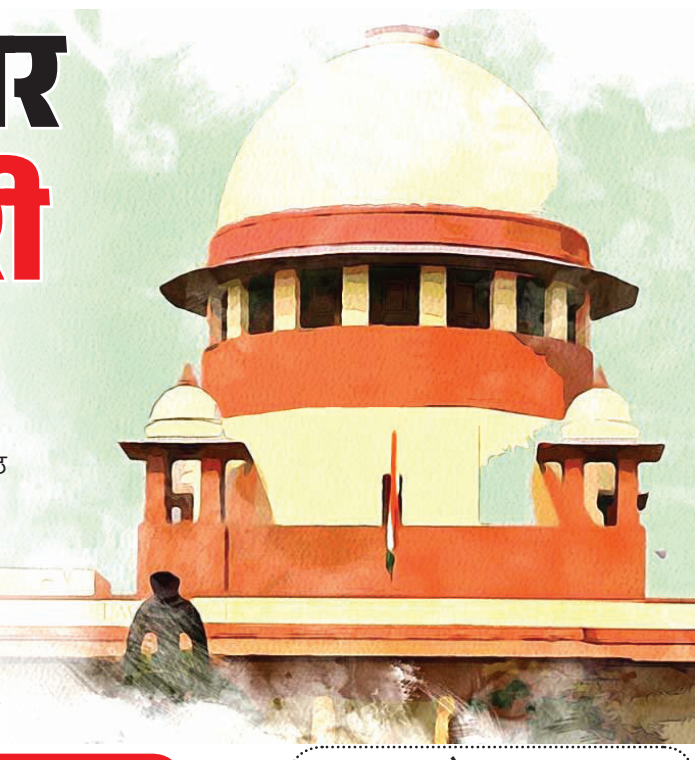

विशिष्टता हिंदू धर्म के लिए अच्छी नहीं: जस्टिस नागरत्ना

सुनवाई के दौरान जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि हर किसी को हर मंदिर और मठ में जाने की अनुमति होनी चाहिए। अगर आप यह कहते हैं कि मेरी परंपरा के अनुसार मैं दूसरों को बाहर रखूंगा और केवल मेरा संप्रदाय ही मंदिर में आएगा, तो यह हिंदू धर्म के लिए अच्छा नहीं है। यह धर्म को नुकसान पहुंचाएगा और खुद उस संप्रदाय के लिए भी उल्टा साबित होगा। जस्टिस अरविंद कुमार ने भी इस बात पर सहमति जताते हुए कहा कि इस तरह के भेदभाव से समाज में दरार पैदा होगी।

सरकारी फंड और निजी दान का सवाल

बहस के दौरान संगठनों का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सीएस वैद्यनाथन ने तर्क दिया कि एक संप्रदाय विशेष का मंदिर केवल अपने लोगों तक ही अधिकारों को सीमित रख सकता है। इस पर अदालत ने कड़ा रुख अपनाया। अधिवक्ता ने यह भी कहा कि अगर कोई मंदिर पूरी तरह निजी या एक खास संप्रदाय का है, तो वह सरकार या जनता से फंड की मांग नहीं कर सकता। लेकिन, यदि कोई मंदिर सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता या स्वास्थ्य के परीक्षण से गुजरता है, तो उसे कानूनों का पालन करना होगा।

अनुच्छेद 25 बनाम अनुच्छेद 26

वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या किसी धार्मिक समूह का अपना मामला प्रबंधित करने का अधिकार अनुच्छेद 26, किसी व्यक्ति के पूजा करने के मौलिक अधिकार, अनुच्छेद 25 से बड़ा हो सकता है? सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि धर्म के नाम पर किसी वर्ग को बाहर करना धर्म की रक्षा नहीं, बल्कि उसे कमजोर करना है।

पहला स्वदेशी ओपन-एक्सेस क्वांटम कंप्यूटर 14 को होगा लॉन्च

एजेंसी । अमरावती

भारत की तकनीकी यात्रा में 14 अप्रैल को एक ऐतिहासिक अध्याय जुड़ने जा रहा है, जब देश के पहले स्वदेशी 'ओपन-एक्सेस' क्वांटम कंप्यूटर अमरावती 1एस और 1क्यू को लॉन्च किया जाएगा। आंध्र प्रदेश सरकार के विशेष प्रोजेक्ट 'अमरावती क्वांटम रेफरेंस फैसिलिटीज' के तहत विकसित इन सिस्टम्स की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनके 80 प्रतिशत से अधिक पुर्जे पूरी तरह स्वदेशी हैं। मुख्यमंत्री चंद्र बाबू नायडू के सचिव पीएस प्रद्युम्न के अनुसार, अप्रैल 2025 में शुरू हुए इस प्रोजेक्ट ने बेहद कम समय में भारत को क्वांटम हार्डवेयर के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

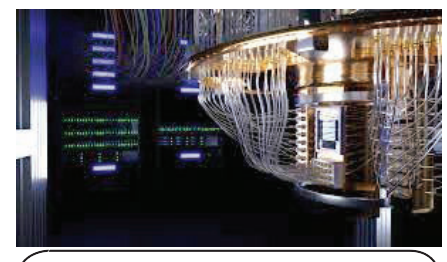

बेहद कम तापमान और उन्नत तकनीक

ये क्वांटम सिस्टम अपनी कार्यक्षमता के लिए माइनस 273 डिग्री सेल्सियस के करीब के तापमान पर काम करते हैं, जो ब्रह्मांड का सबसे न्यूनतम संभव तापमान माना जाता है। यह सुविधा भारत के पहले क्वांटम हार्डवेयर टेस्टबेड के रूप में कार्य करेगी, जिसका उपयोग अनुसंधान, सत्यापन और प्रमाणन के लिए किया जाएगा। अभी तक भारत के पास इस तरह की कोई पूर्ण-निर्मित सुविधा उपलब्ध नहीं थी। राज्य सरकार ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए वैश्विक तकनीकी दिग्गज IBM और TCS के साथ रणनीतिक समझौता किया है।

ओपन-एक्सेस और क्लाउड आधारित कार्यप्रणाली

'ओपन-एक्सेस' मॉडल की वजह से अब शोधकर्ताओं और उपयोगकर्ताओं को क्वांटम कंप्यूटिंग के लिए किसी विशेष भौतिक हार्डवेयर की आवश्यकता नहीं होगी। यह प्रणाली गूगल या माइक्रोसॉफ्ट अजूरे जैसे क्लाउड प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगी, जिसे इंटरनेट के माध्यम से दुनिया के किसी भी कोने से एक्सेस किया जा सकेगा। उपयोगकर्ता बस लॉग-इन करके जटिल क्वांटम एल्गोरिद्म चला सकेंगे।

ब्रीफ खबर

सोना पप्पू और सहयोगियों से जुड़े आठ ठिकानों पर ईडी की रेड

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), कोलकाता क्षेत्रीय कार्यालय ने पश्चिम बंगाल के कोलकाता में बिस्वजीत पोद्दर उर्फ सोना पप्पू, जय एस. कामदार और अन्य से जुड़े एक मामले में आठ परिसरों पर रेड की है। बंगाल चुनाव से पहले हुई रेड में ईडी को कामयाबी मिली है। आरोपियों के कब्जे से 'मेड इन यूएसए' रिवॉल्वर, 1.47 करोड़ रुपये की नकदी और 67.64 लाख के सोने चांदी के आभूषण जब्त किए गए हैं। तलाशी अभियान के दौरान जांच एजेंसी ने आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल उपकरण भी अपने कब्जे में ले लिए हैं। जमीन, भवन आदि के रूप में कई अचल संपत्तियों की पहचान की गई है, जो आपराधिक गतिविधियों के माध्यम से प्राप्त की गई प्रतीत होती हैं।

राजघाट पर सीएपीएफ बिल का विरोध

नई दिल्ली। सीएपीएफ बिल' को लेकर गुरुवार को दिल्ली में राजघाट पर केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के पूर्व अफसरों, जवानों और परिजनों के विरोध की गूंज सुनाई दी। महात्मा गांधी के समाधि स्थल 'राजघाट' पर शांतिपूर्ण तरीके से सीएपीएफ (सामान्य प्रशासन) बिल 2026 का विरोध किया गया। पूर्व अफसरों एवं उनके परिजनों ने इस बिल को काले कानून की संज्ञा दी है। पिछले दिनों संसद ने इस बिल को मंजूरी दी है। अलायंस ऑफ ऑल एक्स पैरामिलिट्री फोर्सेस वेलफेयर एसोसिएशन ने सरकार से मांग की है कि इस बिल को खत्म किया जाए। जवानों से लेकर कैडर अफसर, ये सभी पदोन्नति में पिछड़ रहे हैं। अगर सरकार इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाती है तो सीएपीएफ कार्मिकों के परिजन 15 जून को इंडिया गेट से राष्ट्रपति भवन तक कूच करेंगे। राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपकर उनसे केंद्रीय बलों के जांबाज कैडर अफसरों और जवानों के करियर को खराब होने से बचाने की गुहार लगाई जाएगी।

श्रीलंकाई नौसेना ने 10 भारतीय मछुआरों को किया गिरफ्तार

रामनाथपुरम। श्रीलंकाई नौसेना ने गुरुवार को तमिलनाडु के दस मछुआरों को अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) पार करने और श्रीलंकाई जलक्षेत्र में मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। इससे पाक जलडमरूमध्य क्षेत्र में तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। सूत्रों के अनुसार, रामनाथपुरम जिले के पंबन मछली पकड़ने के बंदरगाह के रहने वाले ये सभी मछुआरे नियमित मछली पकड़ने के लिए समुद्र में गए थे। बताया जाता है कि वे धनुष्कोडी और तलाईमन्नार के बीच के जलक्षेत्र में मछली पकड़ रहे थे। यह क्षेत्र समुद्री सीमा के निकट होने के कारण अक्सर समुद्री संघर्षों के लिए जाना जाता है। अधिकारियों ने बताया कि अभियान के दौरान श्रीलंकाई नौसेना के गश्ती दल ने मशीनीकृत मछली पकड़ने वाली नाव को रोका।

बाल तस्करी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

राज्यों की लचर रिपोर्ट पर कोर्ट ने जताई नाराजगी

एजेंसी । नई दिल्ली

देश में बढ़ते बाल तस्करी के मामलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने गहरी चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा कि संगठित गिरोह देशभर में सक्रिय हैं और अगर राज्य सरकारों व केंद्र शासित प्रदेशों ने तुरंत प्रभावी कदम नहीं उठाए, तो स्थिति नियंत्रण से बाहर हो सकती है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने बुधवार को एक याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा कि अदालत निगरानी कर सकती है, लेकिन वास्तविक कार्रवाई राज्य सरकार, पुलिस और संबंधित एजेंसियों को ही करनी होगी। कोर्ट ने इस मुद्दे पर राज्यों के लापरवाह रवैया पर नाराजगी जताई। पीठ ने कहा कि कुछ मामलों में बच्चों की बरामदगी से यह स्पष्ट है कि समस्या से निपटा जा सकता है, लेकिन इसके लिए जरूरी राजनीतिक और प्रशासनिक इच्छाशक्ति फिलहाल नजर नहीं आ रही है। सुप्रीम कोर्ट ने 15 अप्रैल 2025 के अपने फैसले का हवाला देते हुए कहा कि उस निर्णय में संगठित तस्करी नेटवर्क को तोड़ने के लिए कई संस्थागत सुधारों के निर्देश दिए गए थे।

राज्यों को क्या दिए निर्देश?

इसके अलावा, कोर्ट ने राज्यों को निर्देश दिया था कि वे तस्करी के संभावित हॉटस्पॉट की पहचान और निगरानी के लिए राज्य स्तरीय समितियां बनाएं और लापता बच्चों के मामलों को तस्करी मानकर जांच शुरू करें, जब तक कि अन्यथा साबित न हो। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि कई राज्यों द्वारा दाखिल अनुपालन रिपोर्ट सिर्फ औपचारिकता हैं। सुनवाई के दौरान यह सामने आया कि मध्य प्रदेश, ओडिशा और पंजाब ने अभी तक तय प्रारूप में रिपोर्ट दाखिल नहीं की है।

पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत अर्जी पर सुनवाई स्थगित

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की पत्नी के खिलाफ आरोपों को लेकर दर्ज मामले में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका पर तेलंगाना हाईकोर्ट ने सुनवाई शुक्रवार तक स्थगित कर दी। खेड़ा की ओर से कांग्रेस नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कोर्ट में वर्चुअल तरीके से दलील दी। उन्होंने असम सरकार द्वारा दर्ज कराए गए मामले में राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप लगाया। असम के महाधिवक्ता देवजीत सैकिया ने खेड़ा की याचिका का विरोध करते हुए दलील दी कि कोई राजनीतिक प्रतिशोध नहीं है। याचिका तेलंगाना हाईकोर्ट में विचारणीय नहीं है। खेड़ा के वकील पोन्नम अशोक गौड़ ने कहा कि शुक्रवार को आदेश सुनाया जा सकता है।

बंगाल चुनाव से पहले 'वीडियो बम'

हुमायूं कबीर पर 1000 करोड़ की डील और ममता को हराने की साजिश का दावा

एजेंसी । कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 से पहले राज्य की राजनीति में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब हुमायूं कबीर का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस वीडियो के सामने आने के बाद तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है, जिसमें करोड़ों रुपये की डील और एआई तकनीक के इस्तेमाल जैसे गंभीर आरोप लग रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दावा किया कि हुमायूं कबीर विपक्षी नेताओं के साथ मिलकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सत्ता से बेदखल करने की योजना बना रहे हैं। टीएमसी नेताओं का आरोप है कि कबीर सुवेंदु अधिकारी, हिमंत बिस्वा सरमा और पीएमओ के साथ संपर्क में हैं। पार्टी ने इस पूरे मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय से कराने की मांग की है।

टीएमसी ने की ईडी जांच की मांग

हुमायूं कबीर का बचाव

हुमायूं कबीर ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे उनकी छवि धूमिल करने की कोशिश बताया है। उन्होंने दावा किया कि यह वीडियो एआई-जनरेटेड है और पूरी तरह फर्जी है। कबीर ने टीएमसी को चुनौती दी कि वे उनके और भाजपा नेताओं के बीच किसी भी मुलाकात का सबूत पेश करें। उन्होंने इस मामले में कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। टीएमसी नेता फिरहाद हकीम और मंत्री अरूप बिस्वास ने इसे लोकतंत्र के खिलाफ एक गहरी साजिश बताया है। वहीं, भाजपा ने इन आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि टीएमसी को अपनी हार नजर आ रही है, इसलिए वे इस तरह के बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता देबजीत सरकार ने कहा कि टीएमसी डरी हुई है और सस्ती राजनीति पर उतर आई है।

200 करोड़ रुपये का अग्रिम भुगतान

कथित वीडियो में दावा किया गया है कि ममता सरकार को गिराने के लिए 1000 करोड़ रुपये की भारी-भरकम डील हुई है। इसमें यह भी कहा गया है कि 200 करोड़ रुपये का अग्रिम भुगतान (एडवांस) भी किया जा चुका है। वीडियो के मुताबिक, इस योजना का मुख्य उद्देश्य अल्पसंख्यक वोट बैंक में सेंध लगाकर भाजपा को चुनावी फायदा पहुँचाना है।

समुद्र के नीचे पुतिन बिछा रहे थे जासूसी का जाल

ब्रिटेन-नॉर्वे ने रूसी पनडुब्बियों को किया ट्रैक

एजेंसी । लंदन

उत्तरी अटलांटिक महासागर में बढ़ती हलचल के बीच ब्रिटेन और नॉर्वे ने रूस की संदिग्ध पनडुब्बियों पर नजर रखने के लिए बड़ा अभियान चलाया। करीब एक महीने तक चले इस ऑपरेशन में युद्धपोत, विमान और सैकड़ों सैनिक शामिल रहे, जिसके बाद रूसी पनडुब्बियां वहां से हट गईं। ब्रिटेन के रक्षा मंत्री जॉन हीली ने बताया कि यह कार्रवाई उन रूसी पनडुब्बियों पर नजर रखने के लिए की गई थी, जो समुद्र के नीचे बिछी अहम केबल और पाइपलाइन के आसपास संदिग्ध गतिविधियां कर रही थीं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन के बाद ये पनडुब्बियां क्षेत्र छोड़कर चली गईं। जॉन हीली ने रूस को सीधी चेतावनी देते हुए कहा कि ब्रिटेन और उसके सहयोगी पुतिन की गतिविधियों से ध्यान नहीं हटाएंगे और किसी भी तरह की तोड़फोड़ को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

'शैडो फ्लीट' पर भी सख्ती

ब्रिटेन ने हाल ही में यह भी ऐलान किया है कि वह रूस के तथाकथित 'शैडो फ्लीट' के जहाजों को रोकने और जब्त करने के लिए तैयार है। ये जहाज अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के बावजूद रूस का तेल ले जा रहे हैं। अब तक ब्रिटेन सिर्फ अमेरिका और फ्रांस की मदद से निगरानी करता था, लेकिन अब वह सीधे कार्रवाई करने की तैयारी में है। इससे साफ है कि यूक्रेन युद्ध और मिडिल ईस्ट तनाव के बीच रूस और पश्चिमी देशों के बीच टकराव और बढ़ सकता है।

'पुतिन से ध्यान नहीं हटेगा'

ब्रिटेन ने रूस को सबसे बड़ा खतरा बताते हुए कहा कि वह अपनी नजरें पुतिन से नहीं हटाएगा। जॉन हीली ने कहा कि रूस चाहता है कि दुनिया का ध्यान मिडिल ईस्ट की ओर चला जाए, लेकिन ब्रिटेन ऐसा नहीं होने देगा। उन्होंने साफ कहा कि समुद्र के नीचे मौजूद केबल और पाइपलाइन बेहद अहम हैं और इनके साथ छेड़छाड़ की किसी भी कोशिश का कड़ा जवाब दिया जाएगा। ब्रिटेन के अनुसार, रूस ने इस ऑपरेशन में एक 'अकुला क्लास' अटैक पनडुब्बी और दो खास जासूसी पनडुब्बियां तैनात की थीं। ये पनडुब्बियां रूस के डीप सी रिसर्च विभाग से जुड़ी हैं। ब्रिटिश सेना ने दावा किया कि उनकी निगरानी के चलते रूस की ये गुप्त गतिविधियां सामने आ गईं और उन्हें पीछे हटना पड़ा।

चुनाव आयोग पर बरसे पी चिदंबरम

एजेंसी । नई दिल्ली

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राज्य के मुख्य सचिव के तबादले को लेकर सियासत गरमा गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने चुनाव आयोग के इस फैसले पर हमला बोला है। चिदंबरम ने चुनाव आयोग को आगाह करते हुए कहा कि उसे 'इम्पेरियम इन इम्पेरियो' यानी 'राज्य के भीतर राज्य' जैसा व्यवहार नहीं करना चाहिए। दरअसल, चुनाव आयोग ने तमिलनाडु के मुख्य सचिव एन मुरुगनंदम का अचानक तबादला कर दिया। उनकी जगह एमसाई कुमार को नियुक्त करने का आदेश दिया गया। मुरुगनंदम को एक निष्पक्ष और ईमानदार अधिकारी माना जाता है।

आयोग के इस फैसले पर ही चिदंबरम ने सवाल उठाए है। पी चिदंबरम ने सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि चुनाव आयोग के पास निष्पक्ष चुनाव कराने की शक्ति जरूर है।

विपक्ष ने उठाए सवाल

चिदंबरम अकेले नहीं हैं, मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी इस फैसले को 'लोकतंत्र के लिए शर्मनाक' बताया है। नेताओं का तर्क है कि अगर चुनाव आयोग को अधिकारियों के कामकाज पर शक था, तो ऐसी ही कार्रवाई असम जैसे अन्य चुनावी राज्यों में क्यों नहीं की गई? चिदंबरम ने आरोप लगाया कि आयोग केंद्र सरकार के इशारे पर काम कर रहा है और राज्य की प्रशासनिक मशीनरी में अनावश्यक दखल दे रहा है।

पंजाब में बीकेआई आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़

एजेंसी । चंडीगढ़

पंजाब पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने एक संयुक्त अभियान के तहत राज्य में बड़ी आतंकी वारदात की साजिश को नाकाम कर दिया है। इस कार्रवाई में आईएसआई (ISI) समर्थित बब्बर खालसा इंटरनेशनल (BKI) मॉड्यूल के दो गुर्गों, आकाश मसीह और जब्लौन को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए दोनों आरोपी गुरदासपुर के निवासी हैं और उनका पुराना आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव के अनुसार, अमृतसर ग्रामीण, गुरदासपुर पुलिस और एसएसओसी ने मिलकर इस विदेशी हैंडलर द्वारा संचालित गिरोह का भंडाफोड़ किया है।

भारी विस्फोटक बरामद और जांच

तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से पांच हथगोले, दो डेटोनेटर और एक आईईडी (IED) बनाने की सामग्री बरामद हुई है, जो राज्य की शांति भंग करने के इरादे से बड़े हमले की तैयारी का संकेत देती है। बॉर्डर रेंज के डीआईजी संदीप गोयल ने बताया कि प्रारंभिक जांच से स्पष्ट है कि इस मॉड्यूल के तार विदेशों में बैठे हैंडलर्स से जुड़े हैं।

सावधान फर्जी अकाउंट्स से ग्राहकों को गुमराह करती हैं रिव्यू ब्रोकर एजेंसियां

ऑनलाइन शॉपिंग में बढ़ता फेक रिव्यू का जाल

एजेंसी । नई दिल्ली

ऑनलाइन शॉपिंग करते समय हम अक्सर किसी प्रोडक्ट की स्टार रेटिंग देखकर फैसला लेते हैं। लेकिन अब यह भरोसा पूरी तरह सुरक्षित नहीं रहा। एक नई जांच में खुलासा हुआ है कि रिव्यू और रेटिंग को योजनाबद्ध तरीके से मैनेज किया जा रहा है, जिससे ग्राहकों को गुमराह किया जा रहा है। हाल ही में कॉम्पिटीशन एंड मार्केट्स अथॉरिटी की जांच में सामने आया कि अब सिर्फ फेक रिव्यू लिखवाने तक बात सीमित नहीं है, बल्कि कंपनियां रिव्यू के समय, संख्या और पैटर्न को भी कंट्रोल कर रही हैं। इसका मकसद साफ है प्रोडक्ट को ज्यादा भरोसेमंद दिखाना और उसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर ऊपर लाना। यानी अब रेटिंग सिर्फ ग्राहकों की राय नहीं, बल्कि एक रणनीति का हिस्सा बन गई है। इससे यह भी साफ हो गया है कि ऑनलाइन दिखने वाला '5-स्टार भरोसा' कई बार असली नहीं होता, बल्कि इसे जानबूझकर बनाया जाता है।

संगठित नेटवर्क का खेल

- यह काम अब किसी एक व्यक्ति का नहीं रहा। जांच में पता चला है कि इसके पीछे पूरा नेटवर्क काम कर रहा है, जिसे रिव्यू ब्रोकर एजेंसियां चलाती हैं।
- ये एजेंसियां हजारों फर्जी अकाउंट्स के जरिए रिव्यू पोस्ट करवाती हैं, जिससे ऐसा लगता है कि बहुत सारे लोग एक ही प्रोडक्ट को पसंद कर रहे हैं।
- इस तरह का सिस्टम ग्राहकों के बीच भरोसे का माहौल बनाने के लिए बनाया जाता है, लेकिन असल में यह एक संगठित कारोबार बन चुका है।

एल्गोरिद्म कैसे करता है असर?

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म का एल्गोरिद्म उन प्रोडक्ट्स को ऊपर दिखाता है, जिनकी रेटिंग ज्यादा होती है और जिन पर लगातार एक्टिविटी रहती है। इसी का फायदा उठाकर कंपनियां रिव्यू की क्वालिटी सुधारने के बजाय उसकी संख्या और टाइमिंग को मैनेज करती हैं। यानी असली मुकाबला अच्छे प्रोडक्ट का नहीं, बल्कि ज्यादा दिखने वाले प्रोडक्ट का हो गया है। इस पूरे खेल का सबसे बड़ा नुकसान आम ग्राहकों को होता है। वे जिस प्रोडक्ट को 'टॉप रेटेड' समझकर खरीदते हैं, वह असल में औसत या खराब भी हो सकता है। इससे न सिर्फ पैसे का नुकसान होता है, बल्कि ऑनलाइन शॉपिंग पर भरोसा भी कम होता है।

फेक रिव्यू कैसे पहचानें?

कुछ आसान तरीकों से फेक रिव्यू की पहचान की जा सकती है। जैसे अगर बहुत कम समय में अचानक बहुत सारे पॉजिटिव रिव्यू आ जाएं, तो यह शक का संकेत हो सकता है। अक्सर ऐसे रिव्यू में एक जैसे वाक्य होते हैं, जैसे 'बहुत अच्छा प्रोडक्ट' या 'जरूर खरीदें'। इसके अलावा, अगर किसी प्रोडक्ट के नेगेटिव रिव्यू कम दिखते हैं या अचानक गायब हो जाते हैं, तो भी सावधान रहना चाहिए।